प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-342 | मथुरा, गुरुवार, 5 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जमीन के मुआवजे की रकम को हड़पने की साजिश का पर्दाफाश

ओल पुलिस चौकी प्रभारी, मुख्य आरक्षी के खिलाफ मुकदमा

एसएसपी ने दोनों को निलंबित किया

बलात्कार में बंद करने की धमकी देकर चौकी पर वसूले एक लाख

कार को भी पुलिस चौकी पर खड़ा कराया गया, चार लाख और मांगे गए

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रेल विकास निगम में अधिकृत की गई जमीन के मुआवजे में मिली रकम को एक महिला सहित प्रधान द्वारा पीड़ित को फर्जी बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी में ओल पुलिस चौकी प्रभारी और मुख्य आरक्षी ने पूरा सहयोग किया। पीड़ित से एक लाख वसूलने के बाद पुलिस चौकी पर कार को खड़ा करा लिया। इस मामले में एसएसपी ने पुलिस चौकी इंचार्ज और मुख्य आरक्षी को निलंबित कर दिया। एडीजी आगरा के आदेश पर थाना फरह में रिपोर्ट कराई गई। थाना फरह में कराई गई एफआईआर में अंगूठी थाना जगदीशपुरा आगरा निवासी जगदीश सिंह ने अपर पुलिस महा निदेशक आगरा को दिए शिकायती पत्र में कहा था कि उसकी जमीन रेल विकास निगम द्वारा अधिकृत की गई थी। इसका मुआवजा मिला था। इस बात की जानकारी महिला सपना और उसके सहयोगी श्याम जाटव निवासी औरंगाबाद को हो गई। इन लोगों ने उसे अपने जाल में फांस लिया। उन्होंने अब तक 12 लाख रुपये हड़प लिए। इन दोनों ने षड़यंत्र रचकर ओल के प्रधान खूबी राम द्वारा एक कमरा किराए पर ओल में लिया। सपना और श्याम उसे बुलाकर 31 जनवरी ओल ले गए। योजना के तहत खूबीराम को सपना उसे एक मकान की ऊपरी मंजिल में ले गई। प्रधान ने कहा तुम दोनों यहीं रुको मकान मालिक को बुलाकर लाता हूँ। कमरा 800 रुपये में मिल जाएगा। इसके बाद प्रधान अपने साथ पुलिस वालों को लेकर आ गया। पुलिस वाले उसे ओल पुलिस चौकी ले गए। पुलिस वालों ने उसे वहां शाम तक बंधक बनाकर रखा। एक अपने को चौकी इंचार्ज और दूसरा पुलिस वाला यादव बता रहा था। चौकी पर इन सभी लोगों ने उसको प्रताड़ित किया। दोनों कह रहे थे कि उसे वीडियो के आधार पर बलात्कार के मामले में जेल भेजेंगे। पांच लाख रुपये देगा तभी छोड़ेंगें। खूबीराम प्रधान को एक लाख रुपये दिए और चार लाख रुपये 2 फरवरी को देने का वायादा किया। इन लोगों ने उसकी कार भी चौकी पर यह कहकर खड़ी करा ली कि जब रुपये आएंगे तब कार ले जाना। इस प्रकरण की शिकायत जगदीश ने थाना फरह में दर्ज की। इस मामले में एसएसपी श्लोक कुमार ने ओल चौकी इंचार्ज कपिल कुमार और मुख्य आरक्षी चालक राकेश को निलंबित कर दिया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रुपये के विवाद में भाई ने बहन को गोली मारी, मौत

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना शाहगंज क्षेत्र में बुधवार रात एक भाई ने अपनी ही सगी बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चार टीमें बनाकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहगंज थाना क्षेत्र की नगला पोप/अयोध्या कुंज कॉलोनी, अर्जुन नगर निवासी अनीता कुशवाह (55 वर्ष) पत्नी श्याम सिंह कुशवाह की उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप मृतका के भाई रवि उर्फ हरि सिंह कुशवाह पर लगा है। बताया गया है कि आरोपी देर रात करीब 11 बजे अपने दो साथियों के साथ बहन के घर पहुंचा था। परिजनों के अनुसार, रवि कुशवाह कुछ वर्ष पहले एक मामले में जेल गया था। जेल जाने से पहले उसने अपने कुछ रुपये बहन अनीता के पास सुरक्षित रखने के लिए दिए थे। चार साल पहले जेल से छूटने के बाद से वह लगातार अपने रुपये वापस मांग रहा था। अनीता ने ही भाई की जमानत कराई थी, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह रकम वापस नहीं कर पा रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद हो चुका था। बुधवार रात भी आरोपी रुपये मांगने के लिए बहन के घर पहुंचा। दरवाजा खुलवाने के बाद बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर आरोपी ने तमंचा निकाल लिया और अनीता के सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही अनीता खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। गोली की आवाज सुनकर पति श्याम सिंह बाहर कमरे में पहुंचे, तब तक आरोपी अपने साथियों के साथ फरार हो चुका था। परिजन घायल अनीता को तत्काल एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार के लोगों से जानकारी जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। पुलिस घटना में प्रयुक्त हथियार और आरोपी के साथियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

सर्राफा व्यापारी के प्रतिष्ठान पर सेन्ट्रल एक्साइज की टीम का सर्वे

संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। सर्राफा बाजार में उस वक्त खलबली फैल गई, जब सेंट्रल जीएसटी की टीम ने आरएस ज्वेलर्स प्रतिष्ठा पर सर्वे किया। सुबह के वक्त हुई इस कार्रवाई से बाजार के व्यापारी सकते में आ गए। सूत्रों के अनुसार सेंट्रल जीएसटी विभाग की टीम पूरी तैयारी और रणनीति के साथ सीधे आरएस ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंची और बिना समय गंवाए दुकान से लेकर ऑफिस तक एक–एक करके रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई। खरीद–बिक्री के बिल, टैक्स रिटर्न, स्टॉक रजिस्टर और डिजिटल डेटा की गहन जांच की गई। सर्वे की खबर से बाजार में अफरा–तफरी मच गई। अन्य व्यापारियों में भी डर का माहौल दिखा और कई दुकानदार आनन–फानन में अपने कागजात दुरुस्त करते नजर आए। हालांकि, विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आर एस ज्वेलर्स के स्वामी शरद सर्राफ ने मामले को रूटीन फॉर्मेलिटी बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की है।

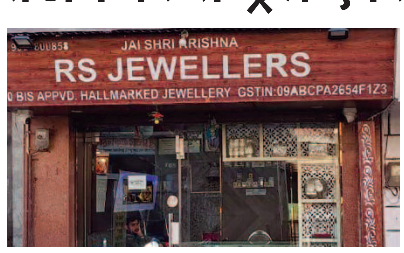

आरएस ज्वेलर्स का प्रतिष्ठान।

जिले में फर्जीवाड़े की चर्चा से मचा हड़कंप

कार्यालयों में रिकवरी और जांच को लेकर चिंतित

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सामने आए फर्जीवाड़े के मामले ने सरकारी दफ्तरों में हलचल पैदा कर दी है। गुरुवार को पूरे दिन अलग–अलग कार्यालयों में इस घटनाओं को लेकर चर्चाएं चलती रहीं। कर्मचारी और अधिकारी आपस में धीमी आवाज में बात करते दिखाई दिए। एक ही सवाल था कि अगर गड़बड़ी साबित होती है तो पैसा किससे और कैसे वसूला जाएगा। सूचना विभाग और कोषागार विभाग में हुए गोलमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दफ्तरों के गलियारों में कर्मचारी यह कहते सुने गए कि यह मामला यहीं तक सीमित रहेगा या फिर दूसरे विभागों तक भी पहुंचेगा। कई लोगों को डर है कि अगर इसी तरह की जांच अन्य विभागों में भी शुरू हो गई, तो पुराने मामलों का खुलासा हो सकता है। घटना के बाद जिन विभागों में गड़बड़ी की आशंका है। इस चर्चाओं को लेकर दफ्तरों में कामकाज के साथ–साथ गुपचुप बातों का दौर शुरू हो गए है। सूत्रों के अनुसार, प्रशासन इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रहा है। यदि जांच में गड़बड़ी की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई हो सकती है। साथ ही सरकारी धन की रिकवरी के लिए भी कदम उठाए जा सकते हैं। फर्जीवाड़े की यह चर्चा अब पूरे प्रशासन में फैल चुकी है। सूचना विभाग और कोषागार विभाग से शुरू हुआ मामला अब दूसरे विभागों के लिए भी चेतावनी माना जा रहा है।

लापरवाही — गुमशुदा लोगों की तलाश में लापरवाही पर हाईकोर्ट सख्त

यूपी के एसीएस गृह और डीजीपी तलब, मचा हड़कम्प

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुमशुदा लोगों की तलाश को लेकर पुलिस और गृह विभाग की कार्यप्रणाली पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने इस मामले में गंभीर लापरवाही मानते हुए अपर मुख्य सचिव (गृह) और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को 23 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। साथ ही दोनों वरिष्ठ अधिकारियों से निजी हलफनामे पर जवाब भी मांगा है। हाईकोर्ट ने पूछा है कि प्रदेश में गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए आखिर क्या तय प्रक्रिया अपनाई जाती है और बीते दो वर्षों में करीब एक लाख लोगों का पता न लग पाने के पीछे क्या कारण हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा कि यदि इस संबंध में कोई मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) मौजूद नहीं है, तो उसे तत्काल तैयार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने यह आदेश राजधानी लखनऊ के चिनहट निवासी विक्रमा प्रसाद की याचिका पर दिया। याची ने अपने 32 वर्षीय पुत्र के जुलाई 2024 में लापता होने के बाद पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई न किए जाने की शिकायत करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इससे पहले 29 जनवरी को कोर्ट के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव, गृह की ओर से दाखिल हलफनामे में बताया गया था कि 1 जनवरी 2024 से 18 जनवरी 2026 के बीच प्रदेश में करीब 1 लाख 8 हजार 300 गुमशुदगी की शिकायतें दर्ज हुईं। चौंकाने वाली बात यह रही कि इनमें से मात्र करीब 9 हजार मामलों में ही तलाश को ठोस कार्रवाई शुरू की गई। कोर्ट ने इस आंकड़े को "अचंभित करने वाला" बताते हुए कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक जनहित से जुड़ा है। इसी को देखते हुए अदालत ने इस मुद्दे को स्वतः संज्ञान में लेते हुए "इन–रीः मिसिंग पर्सन्स इन द स्टेट" शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी को होगी, जिसमें हाईकोर्ट प्रदेश में गुमशुदा लोगों की तलाश को लेकर सरकार और पुलिस की जवाबदेही तय करने के संकेत दे चुका है।

युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र के नगला चिरौंजी में रहने वाले एक युवक ने बीती रात फांसी का फंदा लगा कर अपनी जान गंवा दी। परिवार के लोगों को घटना का पता लगने पर हड़कंप मच गया। नगला चिरौंजी निवासी वैभव अग्रवाल (27) पुत्र देवेंद्र अग्रवाल बीती सायं खाना खाने के बाद सोने के लिए अपने कमरे में चला गया। रात के समय वैभव अग्रवाल ने कमरे में फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या करली। प्रातः परिवार के लोगों को जब इस घटना का पता लगा तो कोहराम मच गया। कुछ ही देर में आस–पास के लोग भी वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी सूचना दी गई। पहुंची पुलिस ने युवक के शव को उतरवाने के बाद पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूपी सरकार ने महिलाओं को दी बड़ी राहत

रजिस्ट्री पर अब एक लाख रुपये तक की छूट

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए संपत्ति रजिस्ट्री से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। सरकार की इस लोक कल्याणकारी योजना से अब महिलाओं को पहले की तुलना में कहीं अधिक लाभ मिल रहा है। नए आदेश के तहत यदि कोई संपत्ति महिला के नाम पर रजिस्ट्री कराई जाती है तो अब उसे स्टांप शुल्क में एक लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है, पहले यह छूट केवल 10 हजार रुपये तक सीमित थी। महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हों और संपत्ति पर उनका अधिकार बढ़े। अधिक छूट मिलने से अब परिवार भी महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री

कराने के लिए प्रेरित होंगे। इससे महिलाओं को न सिर्फ सम्मान मिलेगा, बल्कि भविष्य में उनकी आर्थिक सुरक्षा भी मजबूत होगी।

महिला रजिस्ट्री के साथ-साथ सरकार ने पारिवारिक बंटवारे की प्रक्रिया को भी आसान बना दिया है। पहले पारिवारिक बंटवारे के समय संपत्ति

परिवारिक बंटवारे में भी सुविधा, सिर्फ पांच हजार रुपये लगेगा शुल्क

के मूल्य पर लगभग 7 प्रतिशत तक स्टाम्प शुल्क देना पड़ता था, जो आम लोगों के लिए काफी बोझ था। अब सरकार ने इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए पारिवारिक बंटवारे के लिए, केवल 5 हजार रुपये का पंजीकरण शुल्क तय किया है। यह सुविधा केवल आवासीय संपत्तियों तक सीमित नहीं है। सरकार के नए नियमों के अनुसार अब कॉमर्शियल संपत्तियों के पारिवारिक बंटवारे में भी केवल 5 हजार रुपये का ही पंजीकरण शुल्क लगेगा। सब-रजिस्ट्रार अजय कुमार त्रिपाठी ने सरकार के इस फैसले की प्रशंसा की है। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण को लेकर रजिस्ट्री शुल्क में किया गया यह बदलाव बहुत ही सराहनीय है। जब महिलाएं रजिस्ट्री कराने आती हैं तो उनके चेहरों पर खुशी साफ दिखाई देती है। सब-रजिस्ट्रार ने कहा कि पहले कम छूट होने के कारण कई लोग महिला के नाम रजिस्ट्री कराने से बचते थे, लेकिन अब एक लाख रुपये तक की छूट मिलने से महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीकरण कराने वालों की संख्या बढ़ेगी। पारिवारिक बंटवारे की प्रक्रिया सस्ती और सरल होने से लोग बिना विवाद के अपने मामलों का समाधान कर सकेंगे।

तापमान / मौसम

22 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

10 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,60,000

22 कैरेट 1,47,200

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

अनूठी पहल: विवाह स्थल पर लगी होर्डिंग

100 रुपए से अधिक कन्यादान न करने की अपील

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। बढ़ते दिखावे और खर्चीली शादियों के दौर में एक परिवार ने सादगी, समानता और सामाजिक चेतना की अनुकरणीय मिसाल पेश की है। मंगलवार को पूर्व चेयरमैन नरेंद्र कुमार की भतीजी, दिनेश प्रधान की पुत्री के विवाह पर आयोजक परिवार ने कन्यादान जैसी पवित्र परंपरा को नई सोच के साथ निभाया। एक होटल में आयोजित विवाह में परिवार की ओर से स्पष्ट रूप से होर्डिंग लगाकर अतिथियों से 100 रुपए से अधिक का कन्यादान न करने का आह्वान किया गया, जिसे सभी ने सहजता और सम्मान के साथ स्वीकार किया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक भेदभाव को

समाप्त कर सभी वर्गों को समान रूप से इस पवित्र संस्कार में सहभागी बनाना रहा। परिवार की यह पहल यह संदेश देती है कि संस्कारों की गरिमा धनराशि से नहीं, बल्कि भावना, संवेदना और समानता से तय होती है। इस अभिनव प्रयास से विवाह समारोह में सादगी और सामाजिक सरोकार का वातावरण बना रहा। विवाह समारोह में क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने आयोजक परिवार की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्पद बताया। लोगों का कहना था कि ऐसी सोच से ही समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव संभव है।

कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर चिंता जताई

सेठबाड़ा स्थित कांग्रेस की मासिक बैठक में शामिल पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस की मासिक बैठक सेठबाड़ा स्थित पार्टी कार्यालय पर हुई। इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए पूर्व में किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा कर आगामी आंदोलनों और अभियानों पर विचार विमर्श किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सांप्रदायिकता फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर आम जनता महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूल समस्याओं से जूझ रही है। कांग्रेस शीघ्र बीजेपी सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाएगी।

इस मौके पर मनोज गौड़, पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि, आसिफ कुरेशी, योगेश यादव, रवि वाल्मीकि, शैलेंद्र चौधरी, पंकज चौधरी, हरिओम उपाध्याय, राकेश शर्मा, अनवर फारुकी, खुशीराम पटेल, राजेश कुमार एवं विवेक कुमार सहित आदि मौजूद थे।

निलंबित प्रधानाध्यापक के समर्थन में शिक्षक संघ, ग्रामीणों का साथ

यूनिक समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय नौहझील के निलंबित प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद के समर्थन में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा अपने दो दर्जन से अधिक साथियों के साथ आए और जांच कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी द्वय मांट और छाता से मुलाकात की और निष्पक्ष जांच करने की मांग की। उत्तर प्रदेश सरकार में शामिल राष्ट्रीय लोक दल के एमएलसी चौधरी योगेश नौहवार भी अपने दल-बल सहित प्राथमिक विद्यालय पहुंचे। उन्होंने उपस्थित ग्रामीण और अध्यापकों को आश्वस्त किया कि निलंबित प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद के खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं यदि वह झूठे हैं तो वह 24 घंटे में जान मोहम्मद को बहाल कराने का प्रयास करेंगे। इससे पूर्व दोनों जांच अधिकारियों खंड शिक्षा अधिकारी छाता एवं खंड शिक्षा अधिकारी मांट दोनों ने आकर क्षेत्रीय ग्रामीण, अभिभावकों, अध्यापक अध्यापिकाओं एवं बच्चों से प्रधानाध्यापक पर लगाए गए आरोपों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

राज्य स्तरीय ओपन रेस वॉक प्रतियोगिता आठ से पीलीभीत में

यूनिक समय, मथुरा। 6 वीं यूपी स्टेट राज्य स्तरीय ओपन रेस वॉक प्रतियोगिता 2026 पीलीभीत में 8 फरवरी को नाथ देवी स्मारक इण्टर कॉलेज के खेल मैदान पर होगी। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव जय सिंह ने बताया कि पुरुष और महिला वर्ग में 10 किलो मीटर रेस वॉक अंडर 20 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग में 5 किलो मीटर रेस वॉक का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा पुरुष और महिला वर्ग की फुल मैराथन रेस वॉक एवं हाफ मैराथन रेस वॉक प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही हैं। इन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म 23 फरवरी 2006 से 21 फरवरी 2010 के मध्य होना चाहिए। किसी भी खिलाड़ी की आयु 21 फरवरी 2026 को 16 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। चयनित खिलाड़ी को एएफआई की यूआईडी नंबर उपलब्ध कराना होगा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी केआर डिग्री कॉलेज के शारीरिक शिक्षा के प्रभारी डॉ दलवीर सिंह कौन्तेय से 6 फरवरी की सायं 5 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

आरटीआई में मांगी सूचना

यूनिक समय, मथुरा। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की अपर पुलिस अधीक्षक से राजेश कुमार दीक्षित ने आरटीआई के तहत प्रदेश में 1 जनवरी 2021 से 15 दिसंबर 2025 किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम की धारा 32 का उल्लंघन करने वाले विवेचकों और पुलिस कर्मियों की सूची मांगी है। इसके साथ इस अवधि में इसका उल्लंघन करने वालों पर क्या कार्रवाई हुई। साथ ही किस किस न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति एवं अन्य सक्षम व्यक्ति अथवा न्यायालय द्वारा धारा 32 के उल्लंघन पर कार्रवाई का आदेश दिया गया। इसके लिए अपर पुलिस महानिदेशक समस्त जोन उत्तर प्रदेश, अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे उत्तर प्रदेश, पुलिस आयुक्त, समस्त कमिश्नरेट उत्तर प्रदेश से सूचना मांगी गई है।

आरटीई के तहत 2026-27 सत्र के लिए ऑनलाइन प्रवेश शुरू

यूनिक समय, मथुरा। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 2 फरवरी से ऑनलाइन पोर्टल पर शुरू कर दी गई। इस योजना के तहत अलाभित समूह और दुर्बल वर्ग के अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश नजदीकी निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में निःशुल्क हो करा सकते हैं। प्रवेश की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। विद्यालयों का चयन और आवंटन पूरी तरह से ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने बताया कि आरटीई के अंतर्गत आवेदन करने वाले सभी अभिभावकों को किसी भी दलाल या व्यक्ति के बहकावे में नहीं आना चाहिए। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी। केवल पात्र बच्चों को ही लॉटरी के माध्यम से विद्यालय आवंटित किए जाएंगे।

डीएम सुबह कलेक्ट्रेट में पहुंचे पटल-पटल

लापरवाही पर कर्मचारियों को दिखाई सख्ती

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने आज कलेक्ट्रेट का वार्षिक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं की हकीकत देखी। उन्होंने विभिन्न अनुभागों की फाइलों का परीक्षण किया। स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनहित के मामलों में लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने आरटीआई सेल, चरित्र सत्यापन शाखा एवं भूलेख अनुभाग की पत्रावलियों की समीक्षा की। कई मामलों में अनावश्यक देरी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित पटल सहायकों को सख्त

कलेक्ट्रेट परिसर में वार्षिक निरीक्षण करते डीएम सीपी सिंह।

निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने कर्मचारियों के हितों को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने आदेश दिया कि आगामी छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन व जीआरएफ से जुड़े सभी अभिलेख पहले से तैयार किए जाएं, ताकि सेवानिवृत्ति के दिन ही उनका भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर के कायाकल्प की दिशा में चल रही योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आईएसओ सर्टिफिकेशन के लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बिजली की बचत के लिए रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। ऐतिहासिक भवन की पहचान बनाए रखने हेतु जीर्णोद्धार कार्य कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त पंकज वर्मा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्य, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आदेश कुमार तथा प्रशासनिक अधिकारी मनमोहन तिवारी आदि उपस्थित थे।

बाबा अवध दास महाराज ने असंख्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्ग दिखाया

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज भूमि कल्याण परिषद के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत के प्रखर विद्वान बाबा अवध दास महाराज का 89वां निकुंज लीला प्रवेश महोत्सव मनाया। लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में आयोजित कार्यक्रम में बाबा महाराज के अनन्य शिष्य पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ ने कहा कि बाबा अवध दास महाराज का संपूर्ण जीवन ब्रज संस्कृति, भागवत सेवा और धर्म प्रचार को समर्पित रहा। उन्होंने अपने विचारों और साधना से असंख्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्ग दिखाया। अध्यक्षता करते हुए भक्ति वेदांत मधुसूदन महाराज ने कहा कि

अवध दास महाराज का 89वां महोत्सव मनाया

बाबा अवध दास जी ब्रज के उन संतों में से थे जिन्होंने अपनी भक्ति और ज्ञान से समाज को सही मार्ग दिखाया। मुख्य अतिथि जयपुर के दीपक महाराज थे। महंत हेमकांत शरण देवाचार्य, गोपाल भैया आचार्य तथा रामविलास चतुर्वेदी आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आचार्य रामानंद मिश्रा, स्वामी अनंताचार्य महाराज, आचार्य सुरेश शास्त्री महाराज, महामंडलेश्वर आदित्य आनंद महाराज आदि उपस्थित थे।

बारात की लौटती अर्टिगा कार बम्बे में गिरी

एक बाराती की मौत, चार की हालत गंभीर

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। ताल फरह कुम्हेर से कोसीकलां के गांव कादौने के लिए जाती बारात की एक कार सांचौली और गिडोह के बीच कादौना के बम्बे में गिर गई। कार में सवार एक बाराती की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि ताल फरह थाना कुम्हेर भरतपुर राजस्थान से एक बारात कोसीकलां के गांव कादौना निवासी मेवा के यहां आई थी। शादी के बाद बारात लौट रही थी। अर्टिगा कार में सवार बाराती लव कुमार, हेमंत, रवि निवासी गांव तालफरह एक अज्ञात के अलावा थाना गोवर्धन के पथवारी कॉलोनी सकरवा रोड गोवर्धन निवासी हुकम चंद सवार थे। अर्टिगा कार जैसे ही कादोना के बम्बे के पास पहुंची कार बम्बे में गिर गई। दुर्घटना में कार सवारों ने शोर मचाया। कुछ ही देर में काफी संख्या में ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर कार को बम्बे से बाहर निकाला। कार सवार हुकम चंद की मौत हो गई। बाकी के सभी लोग बुरी तरह से घायल हो गए। सभी घायलों को राजबहादुर मेमोरियल हॉस्पिटल भरतपुर ले जाकर भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में मृत हुकमचंद के शव का पंचनामा करने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दो सांडों की लड़ाई से बारात में मची भगदड़

फरह थाने की समीप में गिरा जनरेटर, कार की टूटी लाइट

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। बुधवार रात कस्बा में थाने के समीप दो सांडों की भिड़ंत से बारात में भगदड़ मच गई। जनरेटर पलट गया और मौके पर खड़ी एक कार में भी नुकसान हो गया। बारातियों ने ऐसे–तैसे अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे कस्बा के मुख्य बाजार में बारात चढ़त हो रही थी। बारात राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक मैरिज होम में बैंड बाजों के साथ जा रही थी, गानों पर बाराती झूम रहे थे। इसी दौरान थाने के सामने अचानक एक काले और सफेद रंग के सांडों में भिड़ंत हो गई। दोनों सांड लड़ते हुए पहले एक एक ईको कार से टकराए। इसके बाद लड़ते–लड़ते पास में खड़ी एक अन्य को टक्कर मार दी। सांडों की लड़ाई के दौरान बारात में मौजूद बाराती इधर–उधर बचने को भागने लगे। उधर, दोनों सांड लड़ते हुए बारात में शामिल जनरेटर पर जाग गिरे, जिससे जनरेटर पलट गया। जनरेटर के फटने की आशंका को देख दूल्हा घोड़ी से उतरकर भाग गया। रिक्शा में जनरेटर लादकर ले जा रहा व्यक्ति मौके पर गिर गया। लोगों ने ऐसे–तैसे सांडों को भगाया। इसके बाद जनरेटर को बंद करके सड़क पर गिरे व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। कुछ देर बाद दूल्हा वापस लौटा और फिर बारात चढ़त शुरू हो गई। कस्बा निवासी रवि कुमार और मनोज कुमार ने बताया कि वर्तमान में करीब दो दर्जन से अधिक सांड कस्बा की गलियों और बाजार में विचरण करते हैं, जिससे आए दिन हादसे होते हैं। लेकिन, नगर पंचायत इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रही है।

गौरक्षक की मौत की निष्पक्ष जांच हो, गौरक्षकों ने दिया ज्ञापन

डीएम कार्यालय पर ज्ञापन देते गौरक्षक।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले की सीमा में हुई गौरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों सड़क दुर्घटना में हुई मौत को लेकर गौरक्षक दल के कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय पर पहुंचकर घटना की निष्पक्ष जांच कराने को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में गांव झरौठा थाना सादाबाद हाथरस निवासी गौरक्षक मनीष की दो फरवरी को सड़क दुर्घटना में थाना बलदेव क्षेत्र में मृत्यु के कारणों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। प्रथम दृष्टया घटना एक सड़क दुर्घटना प्रतीत होती है, लेकिन कुछ परिस्थितियां और तथ्य इस दुर्घटना को संदिग्ध बनाते हैं। मनीष सक्रिय रूप से गौरक्षक दल से जुड़े हुए थे। उन्हें कुछ समय पूर्व हाथरस जनपद की सीमा में स्थित एक गौशाला में अनियतिताओं एवं गौवंश के प्रति होने वाली लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाई थी। इसके बाद उन्हें धमकियां मिलने की बात भी सामने आई थी। इस प्रकरण में निष्पक्ष जांच किसी स्वतत्र एजेंसी या सीबीआई से कराई जाए, जिससे कि ये बात साफ हो सके कि वास्तव में मनीष की मौत दुर्घटना है अथवा उसकी किसी साजिश के तहत हत्या की गई है। अगर हत्या में किसी तरह की साजिश का मामला सामने आता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में बड़ी संख्या में गौरक्षक दल के लोग शामिल थे।

मथुरा शहर में नई वर्टिकल व्यवस्था लागू

बिजली उपभोक्ताओं के लिए हेल्प डेस्क शुरू

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा शहर के बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए विद्युत निगम ने नई वर्टिकल व्यवस्था लागू कर दी है। इसके तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में हेल्प डेस्क बनाए गए हैं और उनके मोबाइल नंबर जारी किए गए हैं। अब उपभोक्ता अपनी बिजली और बिल से जुड़ी शिकायतें फोन पर दर्ज करा सकेंगे। निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक के निर्देश पर यह व्यवस्था शुरू की गई है। मथुरा जोन के मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने अधिकारियों और इंजीनियरों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं, ताकि शिकायतों का जल्दी समाधान हो सके। विद्युत निगम द्वारा जारी हेल्प डेस्क नंबर कृष्णानगर (वॉटर वर्क्स): 8679017005, 8679017006 गणेशरा–गिरधरपुर, गोवर्धन रोडः 8679017009, 8679017010 पागल बाबा, वृंदावनः 8679017008, 8679017011 कैंट, मथुराः 8679017003, 8679017004 इसके अलावा टोल फ्री नंबर 1912 24 घंटे चालू रहेगा। अधीक्षण अभियंता (शहरी) मुदित तिवारी ने बताया कि हेल्प डेस्क के जरिए उपभोक्ता बिजली आपूर्ति और बिल से जुड़ी समस्याओं की शिकायत कर सकते हैं। इससे उपभोक्ताओं को बिजली कार्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हेल्प डेस्क कार्यालय समय में काम करेगा। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग के अनुसार नई वर्टिकल व्यवस्था से शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को तेजी से राहत मिलेगी और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान किया जाएगा।

फालैन में पंडा मेले की तैयारी जोरों पर अधिकारियों ने किया निरीक्षण

ग्राम फालैन में निरीक्षण करते एसडीएम वैभव गुप्ता।

कुंड की साफ सफाई, लाइट, सुरक्षा के निर्देश दिए

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। निकटवर्ती ग्राम फालैन में होली के दिन आग में निकलने वाले पंडा मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। छाता के उप जिला अधिकारी वैभव गुप्ता ने गुरुवार को ग्राम पहुंचकर मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कुंड की साफ सफाई, लाइट, सुरक्षा हेतु निर्देश दिए। इस दौरान खंड विकास अधिकारी नरेश कुमार, लेखपाल गोविंद, प्रधान प्रतिनिधि महेश आदि लोग मौजूद थे।

अवैध शराब सहित युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर। पुलिस ने अवैध रूप से शराब के 18 पव्वों के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक भूपेंद्र सिंह व उपनिरीक्षक मानकचंद शर्मा पुलिस टीम के साथ बुधवार की शाम शांति व्यवस्था और चैकिंग अभियान व इलाके में गश्त कर रहे थे। मांट ब्रांच गंग नहर के समीप एक युवक को जाते हुए देख पुलिस टीम ने उसे रोक कर चेक किया। चेकिंग में उसके कब्जे से देशी शराब के 18 पव्वा बरामद हुए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त गांव भालई निवासी कमलेश है।

मामूली बात को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों में संघर्ष

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र अंतर्गत मौहल्ला व्यापारियान में गुरुवार तड़के एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच मामूली कहासुनी ने अचानक उग्र रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि किसी मामूली बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और एक–दूसरे पर छत से जमकर ईंट–पत्थर फेंकने लगे। ईंट–पत्थरबाजी के दौरान मौहल्ले में अफरा–तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इस घटना में आधा दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी। इस मामले में पुलिस ने एक पक्ष से दो लोगों को हिरासत में ले लिया है।

साइड न देने पर कार सवारों ने ट्रक चालक को बेरहमी से पीटा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पर साइड न देने को लेकर कार सवार युवकों ने ट्रक चालक को लाठी डंडो से बुरी तरह मारपीट की। घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक दूसरी दुघर्टना में स्टेट बैंक चौराहे पर हुई। बाइक और राजस्थान रोडवेज की बस से टकराने पर जमकर हंगामा और पथराव हुआ। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना हाईवे क्षेत्र में जयगुरूदेव मंदिर के समीप बुधवार की सायं ट्रक चालक द्वारा कार सवार युवकों को साइड न देने पर हुए विवाद में कार सवार युवकों ने कार को ट्रक के आगे अड़ा दिया।

चालक की इलाज के दौरान हुई मौत

स्टेट बैंक चौराहे पर दुर्घटना के बाद हुआ जमकर हंगामा

रोडवेज बस पर हुए पथराव में तीन को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इसके बाद चालक को स्टेरिंग से खींचकर बेरहमी से लाठीडंडो से पीट–पीट कर लहू लहान कर दिया। इसके चलते काफी देर तक हाईवे पर वाहनों के पहिए थम गए। मारपीट करने वालों को किसी ने बचाने तक की जहमत नहीं की। गंभीर रूप से घायल कुंजलपुर जलेसर, एटा के रहने वाले चालक अनूप यादव को निकट के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र स्थित स्टेट बैंक चौराहे पर डॉक्टर राजू सैनी कटारा, अमर नाथ और विश्वनाथ निवासी माली मौहल्ला सैनी नगर की बाइक को कल सायं हरियाणा रोडवेज ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक सवारों को हलकी चोट आई। इसके बाद वहां अच्छा खासा हंगामा खड़ा हो गया। रोडवेज बस पर पथराव किया गया जिससे उसके शीशे टूट गए।

चौराहे पर हंगामे के चलते हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने इन तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इन लोगों के खिलाफ सरकारी संपत्ति में तोड़ फोड़ करने और हंगामा आदि करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं गिरफ्तार किए गए लोगों का कहना है कि पुलिस ने उनके खिलाफ तो कार्रवाई कर दी, लेकिन रोडवेज के चालक के खिलाफ दुर्घटना करने के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

मथुरा जंक्शन पर चलाया किलाबंदी कर टिकट जांच अभियान

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की चेकिंग करते टिकट निरीक्षक।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के निर्देशानुसार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीरेंद्र सिंह चौहान और सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग संजय गौतम के सुपरविजन में मथुरा जंक्शन पर बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बिना बुक सामान ले जाने वाले एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के विरुद्ध किलेबंदी टिकट जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक/सा. नागेन्द्र तिवारी, हेमंत अग्रवाल, के एम उपाध्याय सीटीआई सहित बड़ी संख्या में टिकट चैकिंग स्टाफ मौजूद रहा। जिन्हें देखकर

टीम ने बिना टिकट 168 यात्रियों को पकड़ा

अनियमित यात्रियों में हड़कंप मचा रहा, पकड़े गए यात्रियों से निर्धारित जुर्माना वसूला गया।

जांच अभियान में 168 बिना टिकट यात्रियों से 130685 रुपए तथा 152 अनियमित यात्रियों से 72160 सहित कुल 320 यात्रियों से 202845 रु का जुर्माना वसूल किया। जनसंपर्क अधिकारी सुश्री प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकार की जांच मंडल में निरंतर कराई जा रही हैं, जिससे बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा ,बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने वालों यात्रियों पर रोक लगाई जा सके।

अखिल भारत वर्षीय जैसवाल जैन महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन आठ को

पत्रकारों से बातचीत करते अखिल भारतीय जैसवाल जैन महासभा के सुबोध कुमार जैन, निर्भय जैन, संजीव जैन, मनीष जैन तथा योगेश जैन।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जैन इंटर कॉलेज, चौरासी में अखिल भारत वर्षीय जैसवाल जैन महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन आठ फरवरी को होगा। मुख्य संयोजक संजीव जैन गुड्डा ने बताया कि परंपरा के अनुसार जिस शहर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाते हैं, अधिवेशन उसी शहर में होता है। मथुरा से सुबोध कुमार जैन का निर्विरोध चयन हुआ है। अधिवेशन में राज्यसभा सांसद नवीन जैन और मथुरा के महापौर विनोद अग्रवाल भी शामिल होंगे। अध्यक्ष निर्भय जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार जैन ने कहा कि महासभा की स्थापना वर्ष 1919 में हुई थी और आज यह संगठन मजबूत रूप ले चुका है। इस अधिवेशन में करीब 500 प्रतिनिधियों के आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अधिवेशन दो सत्रों में प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक चलेगा। पहले सत्र में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजकमल जैन को 'समाज रत्न' सम्मान दिया जाएगा। वर्तमान कार्यकारिणी अपनी रिपोर्ट आमसभा में रखेगी। इसके बाद नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को कार्यभार सौंपा जाएगा। इसी सत्र में डॉ. राजकमल जैन के सहयोग से दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल दी जाएंगी। राज्यसभा सांसद नवीन जैन और महापौर विनोद अग्रवाल समाज को संबोधित करेंगे। दूसरे सत्र में मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। लगभग 50 वरिष्ठ नागरिकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मान दिया जाएगा। साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन होगा। साथ ही खुले सत्र में समाज की एकता और विकास पर विचार–विमर्श किया जाएगा। इस मौके पर मुनीष कुमार जैन, योगेश जैन तथा सचिन जैन आदि मौजूद थे।

सीआईआरजी वैज्ञानिक बकरी पालन कैलेंडर का विमोचन

सीआईआरजी वैज्ञानिक बकरी पालन के कैलेंडर का विमोचन करती सांसद हेमामालिनी व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। आईसीएआर-केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (सीआईआरजी) द्वारा तैयार वैज्ञानिक बकरी पालन कैलेंडर का विमोचन एक गरिमामय समारोह में हेमा मालिनी, सांसद (लोकसभा), मथुरा एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री द्वारा किया गया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया और कृषि, किसानों तथा ग्रामीण विकास के प्रति उनके निरंतर सहयोग को दर्शाया।

इस अवसर पर जारी वैज्ञानिक बकरी पालन कैलेंडर में बकरी पालन से जुड़े प्रमुख विषयों–प्रजनन, संतुलित आहार, स्वास्थ्य देखभाल, आवास व्यवस्था एवं रोग नियंत्रण–पर माहवार वैज्ञानिक मार्गदर्शन प्रस्तुत किया गया है। यह कैलेंडर किसानों के लिए एक उपयोगी और व्यावहारिक

हेमा मालिनी रहीं मुख्य अतिथि

मार्गदर्शिका के रूप में तैयार किया गया है, जिससे वे समयबद्ध तरीके से कार्य योजना बनाकर उत्पादकता बढ़ा सकें, आर्थिक नुकसान कम कर सकें तथा वर्ष भर टिकाऊ और लाभकारी बकरी पालन को अपनाने में सक्षम हों।

विमोचन समारोह में डॉ. मनीष कुमार चटली, निदेशक, आईसीएआर–सीआईआरजी, डॉ. मुकेश भाकत, प्रमुख, एपीआर प्रभाग; डॉ. गोपाल दास, प्रधान वैज्ञानिक, एजीबी प्रभाग; तथा डॉ. अरविंद कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, एएनएमपीटी सहित अनेक वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

रिसोर्ट में बदमाशों ने चलाई गोली, कर्मचारी हुआ घायल

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस चौकी कृष्णानगर के सामने एक रिसोर्ट में बदमाशों द्वारा मैनेजर पर चलाई गई गोली वहां काम करने वाले कर्मचारी के पैर में लगी। घायल को अस्पताल में भर्ती करया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि कल सायं कृष्णानगर पुलिस चौकी के सामने स्थित रिसोर्ट में बाहर से बदमाशों ने मैनेजर पर फायर कर दिया।

फायर मैनेजर को न लग कर वहां काम करने वाले कर्मचारी जनरलगंज निवासी छोटे लाल के पैर में लगी। गोली लगने के बाद छोटे लाल बेहोश होकर गिर गया। इस बात का पता नहीं लग सका गोली किसने और कहां से चलाई गई। गोली लगने से घायल हुए युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बारे में तरुण चतुर्वेदी का कहना है कि उसके दोस्त का प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा है। बदमाशों ने उस पर गोली चलाई जो उसे न लग कर कर्मचारी को लगी। मौके पर पहुंची पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

मैं महादेव पाण्डेय पुत्र स्व0 श्री ब्रजबल्लभ पाण्डेय निवासी 216/784, कृष्णा नगर मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरी मूल दस्तावेज संख्या 1468 दिनांक 01.09.1986 गुम हो गयी हैं। इसके संबंध में मैंने कोतवाली थाना मथुरा में जी0डी0 संख्या 033 दिनांक 30.01.2026 को सूचित किया हैं। जिस किसी को भी यह मूल दस्तावेज मिले वह कृपया 15 दिनों के अन्दर सूचित करें या मुझे लौटा दे। इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के बाद इस दस्तावेज का कोई भी उपयोग अवैध माना जायेगा तथा इस दस्तावेज का अन्यथा कोई भी उपयोग करता हैं तो उसमे मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। मो0 7017648478

सार्वजनिक सूचना

मैं रजनी वाष्णेय पत्नी श्री राजीव गोपाल वाष्णेय निवासी एम0आई0जी0 1016 राधिका विहार फेज–2 मथुरा थाना आकर एक किता प्रार्थना पत्र बाबत दिनांक 20.01.2026 को गुम हो जाने रजिस्टो का लाकर दाखिल किया रजिस्ट्री विवरण रजिस्ट्रे दिनांक 18.11.1992 दस्तावेज संख्या 10123 व दिनांक 12.01.1998 दस्तावेज संख्या 133 भूमि राधिका विहार कालोनी में स्थित हैं सम्पत्ति का विवरण एम0आई0जी0 हाउस नं0–456 हस्व आदेश प्रभारी निरीक्षक महोदय के तस्करा गुम हो जाने रजिस्ट्री दर्ज किया। इसके सम्बन्ध में मैंने कोतवाली थाना मथुरा में जी0डी0 संख्या 046 दिनांक 04.02.2026 और समय 19:42 जी0डी0 टाइप सम्पत्ति दस्तावेज गुम हो जाने के लिए सूचित किया हैं। जिस किसी को भी यह मूल दस्तावेज मिले वह कृपया 15 दिनों के अन्दर सूचित करें या मुझे लौटा दे। इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के बाद इस दस्तावेज का कोई भी उपयोग अवैध माना जायेगा तथा इस दस्तावेज का अन्यथा कोई भी उपयोग करता हैं तो उसमें मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। मो0 8868875994

नेत्र चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नये युग की शुरुआत

कल्याणं करोति नेत्र संस्थान के प्रशिक्षण भवन का शुभारंभ

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। कल्याणं करोति नेत्र संस्थान के प्रशिक्षण भवन का शुभारंभ हो गया। वक्ताओं ने कहा कि कल्याणं करोति नेत्र संस्थान का प्रवीन दलाल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थमोलोजी नेत्र चिकित्सा शिक्षा में युवाओं को रोजगार देने एवं आत्म निर्भर बनाने में अहम संस्थान बनेगा। साध्वी चित्रलेखा ने कहा जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। सेवा का काम बेहद चुनौतीपूर्ण लेकिन अच्छे कर्म ही मुक्ति मार्ग तक ले जाते हैं। विधायक मेघश्याम सिंह ने कहा कि कल्याणं करोति नेत्र रोग समाधान का राष्ट्रीय केन्द्र बन चुका

कल्याणं करोति नेत्र संस्थान के प्रशिक्षण भवन का शुभारंभ करते संत।

है। श्रीवत्स गोस्वामी, अक्षयपात्र से अनंत वीर दास, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल, बाबा बलराम दास महाराज, महंत श्री सुतीक्ष्ण दास महाराज, उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए। कल्याणं करोति के अध्यक्ष स्वामी महेशानंद ने आभार जताया। संस्थान महासचिव सुनील कुमार शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन निरूपम भार्गव ने किया। मंच पर 11 बच्चों को अतिथियों ने निःशुल्क चश्मे प्रदान किए।

इस मौके पर दीनानाथ चौधरी, नरेंद्र मित्तल, अशोक टैंटीवाल, ए के सिंह, जगदीश लाल भाटिया, राजीव अग्रवाल, गोपाल प्रसाद अग्रवाल, विजय रेणुआ, सुशील कुमार अग्रवाल, उमाशंकर शर्मा, के के खण्डेलवाल, संस्कृति विधि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता, मोहन लाल अग्रवाल, बी. डी. अग्रवाल, एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

जीएलए में पीसीआई की कार्यशाला में फार्मेसी शिक्षा में पारदर्शिता पर फोकस

जीएलए में 'आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडस सिस्टम' पर एक दिवसीय कार्यशाला

जीएलए विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में 'आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडस सिस्टम' कार्यशाला के दौरान अतिथि और विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 'आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडस सिस्टम' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट जशुभाई हीराभाई चौधरी, फाइनेंस कमेटी पीसीआई के चेयरमैन प्रो. विभु साहनी, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं कुलसचिव अशोक कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। यह कार्यशाला पीसीआई के आईटी विभाग द्वारा जीएलए विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के फार्मेसी कॉलेजों के निदेशक, प्राचार्य, शिक्षक एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट जशुभाई हीराभाई चौधरी ने अपने विस्तृत संबोधन में कहा कि 'आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडस सिस्टम' फार्मेसी शिक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और अनुशासन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह सिस्टम आधार आधारित बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के माध्यम से रियल टाइम में उपस्थिति दर्ज करता है, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि शिक्षक वास्तव में संस्थान में कार्यरत हैं या केवल कागजों तक सीमित हैं। आने वाले समय में सभी संस्थानों को यह समझना होगा कि यह कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि पीसीआई का एक फ्लैगशिप प्रोग्राम है, जिसे पूरी गंभीरता के साथ लागू किया जाएगा। अभी कुछ संस्थान इसे हल्के में ले रहे हैं, लेकिन भविष्य में हर संस्थान को किसी न किसी रूप में इसका हिस्सा बनना ही पड़ेगा। यह प्रणाली फार्मेसी शिक्षा के पूरे सिस्टम को सुधारने की क्षमता रखती है। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्षों तक फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया को केवल एक रेगुलेटरी बॉडी के रूप में देखा गया, जिसका काम सिर्फ इंस्पेक्शन और अप्रूवल तक सीमित रहा, लेकिन अब परिषद का दृष्टिकोण बदल चुका है। नीतियां तभी प्रभावी होंगी जब उन्हें जमीनी स्तर पर समझा और लागू किया जाए। इसी उद्देश्य से वह स्वयं देशभर में संस्थानों का दौरा कर रहे हैं और शिक्षकों, निदेशकों तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स से सीधे संवाद कर रहे हैं। मुख्य अतिथि ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि आने वाले समय में बिना वास्तविक उपस्थिति के काम करना संभव नहीं होगा। सभी संस्थानों को क्वालिटी और रेगुलेटरी कंप्लायंस स्टैंडर्ड्स को हर हाल में पूरा करना होगा। उन्होंने संस्थानों से अपील की कि वे इस सिस्टम को बोझ नहीं, बल्कि सुधार और विश्वास स्थापित करने के अवसर के रूप में लें। कार्यशाला में पीसीआई के आईटी विभाग के प्रतिनिधि सौरभ कुमार ने उपस्थित प्रतिभागियों को 'आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडस सिस्टम' पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी तथा तकनीकी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए सवालों के भी उत्तर दिए। उन्होंने बताया कि पीसीआई द्वारा सभी अप्रूव्ड फार्मेसी इंस्टीट्यूशन्स में 'आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडस सिस्टम' को अनिवार्य किया गया है, ताकि देशभर में फार्मेसी शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की बुनियाद है और फार्मेसी शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, दक्ष और नैतिक फार्मासिस्ट तैयार करना होना चाहिए। फार्मेसी विभाग के निदेशक प्रो. कमल शाह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग की शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों की जानकारी दी। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. योगेश मूर्ति ने कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सोनिया सिंह ने की। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अड़ींग ग्राम पंचायत सचिव का कार्यालय 15 दिन से बंद

ऑनलाइन योजना के कार्य ठप, ग्रामीण परेशान

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के गांव अड़ींग में ग्राम पंचायत सचिव का कार्यालय पिछले लगभग 15 दिनों से लगातार बंद पड़ा है। पंचायत भवन में ताला लगे रहने के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा के जरूरी कार्यों के लिए पंचायत पहुंचने वाले ग्रामीण निराश होकर वापस लौटने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जब भी वे किसी कार्य से पंचायत भवन पहुंचते हैं, वहां ग्राम पंचायत सचिव की उपस्थिति नहीं मिलती और कार्यालय पर ताला लटका रहता है। इतना ही नहीं, कई बार फोन करने पर भी सचिव द्वारा कॉल रिसीव नहीं की जाती। ग्रामीण उदय प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले कई दिनों से पंचायत सचिव कार्यालय नहीं आ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

अड़ींग ग्राम पंचायत सचिव के कार्यालय पर लटका ताला।

अमित सोनी ने कहा कि हम यही रहते हैं पर हमने देखा है कार्यालय कई दिनों से बंद है। ग्रामीण सोनू ठाकुर का कहना है कि फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिलता और पंचायत भवन में सचिव कार्यालय अधिकतर बंद रहता है। मनोज कुमार ने बताया कि सरकारी योजनाओं से जुड़े काम पूरी तरह से रुके हुए हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर जल्द समाधान की मांग की है।

जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि अड़ींग ग्राम पंचायत सचिव पर दो पंचायतों का कार्यभार है और उन्हें सप्ताह में तीन दिन पंचायत कार्यालय में बैठना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव यतिन शर्मा और पंचायत सहायक राधा से जवाब तलब किया जाएगा।

मामले में जल्द ही नोटिस जारी किया जाएगा। लेकिन वहीं सचिव यतिन शर्मा का कहना है कि उन पर एक ही पंचायत है। वह बीमार है छुट्टी पर हैं। इसलिए आने में असमर्थ हैं।

छह अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महामंडलेश्वर कुमार स्वामी पर मंगलवार शाम जानलेवा हमले की साजिश रची गई। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। महामंडलेश्वर हर वर्ष वृंदावन में दिव्य बीज मंत्र बांटने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। महामंडलेश्वर के यहां गोसेवक योगेश ने बताया कि दिव्य बीज मंत्र प्रदान करने वाले महामंडलेश्वर कुमार स्वामी का श्रीराधा कृष्ण धाम में 31 जनवरी एवं एक फरवरी को समागम चल रहा था। रविवार नौ बजे वह पीछे लघु शंका को गए थे। तभी वहां उसे छह अज्ञात लोग हथियारों से लैस होकर छुपे दिखाई दिए थे। उन्होंने महाराज की लोकेशन जानी। धमकाया कि अगर जानकारी दी तो जान से मार देंगे। कोहरे का फायदा उठाकर बदमाश भाग गए। इसके बाद तीन फरवरी को कुमार स्वामी कार्यक्रम का समापन करके दिल्ली के लिए जा रहे थे। रात नौ बजे करीब पलवल के समीप एक ऑटो में सवार अज्ञात लोगों ने गाड़ी का घेराव कर जानलेवा हमले की कोशिश की। मगर वहां से बाल-बाल बच गए। उन्होंने घटना की रिपोर्ट थाना जैंत में दर्ज कराई है। जैंत थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर लगा बरसाना में

बाबूलाल महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के विद्यार्थी शिविर में भाग लेने को बरसाना रवाना होते हुए।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा स्थित श्री बाबू लाल महाविद्यालय के बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने शिविर का आयोजन बरसाना स्थित विनोद बाबा के आश्रम के आसपास सफाई करके किया। महाविद्यालय से कैंप को हरी झंडी दिखाकर प्राचार्य डॉ लीविस कुलश्रेष्ठ ने रवाना किया। श्री बाबूलाल शिक्षण संस्थान समूह के निदेशक एडवोकेट नंदकिशोर शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में राष्ट्र सेवा की भावना को जाग्रत करती है जो कि वर्तमान समय के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों ने प्रिया कुंड के घाटों और विनोद बाबा के आश्रम के आसपास साफ सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त किया। कार्यक्रम में लोकगीत गायन प्रतियोगिता हुई, इसमें राधा, तनु, अनुराधा,सचिन, पल्लवी,मधु, ममता आदि ने हिस्सा लिया। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ धीरज कौशिक ने किया।

गोकुल से ब्रह्मांड घाट तक सड़क पर निर्माण सही हो

बिना विद्युत खंभा हटाए हो रहा है काम

संवाददाता

यूनिक समय, गोकुल। नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय दीक्षित ने जिलाधिकारी व पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से गोकुल नगर 11 नंबर चौराहे से ब्रह्मांड घाट तक बन रही सड़क के चौड़ीकरण के कार्य को सही ढंग से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लगभग 47 करोड़ रुपए से काम होगा। सड़क की चौड़ाई लगभग 10 मीटर होनी है। वर्तमान में यह सड़क 7 मीटर की है। परंतु इस सड़क का कार्य सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। गोकुल में जो तीर्थ विकास परिषद द्वारा बिजली के खंभे लगाए गए हैं 11 नंबर चौराहे से लेकर ब्रह्मांड घाट तक वह खंभे अभी तक बिजली विभाग पीडब्ल्यूडी विभाग ने अलग शिफ्ट नहीं किए हैं। वह बीच में ही खड़े हुए हैं। सभी खंभों की ठेकेदार द्वारा बिजली को काट दिया है और चारों तरफ केवल सड़क पर पड़ी हुई है। पहले इन खम्भों को शिफ्ट करना था। बीच-बीच में सभी जगह छोड़ दी गई है। नगर पंचायत की पानी की पाइपलाइन वासुदेव दरवाजे से लेकर बिजली घर तक दोनों साइड की तोड़ दी गई है। उसका कार्य भी पूरा नहीं किया गया है जब पानी की सप्लाई चालू करेंगे तो पूरी सड़क पर नीचे से ऊपर तक पानी आ जाएगा।

उत्कृष्ट शोध कार्यों पर राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के दो प्राध्यापक सम्मानित

सुनम साहा को वुमन साइंटिस्ट अवॉर्ड, कुलदीप सिंह को मिला बेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के दो सहायक प्राध्यापकों को उनके उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए हरिद्वार स्थित गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया। फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनम साहा को 'वुमन साइंटिस्ट अवॉर्ड' तथा फार्माकोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक कुलदीप सिंह को 'बेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड' प्रदान किया गया। हाल ही में गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में 'विकसित भारत 2047' के विजन के अंतर्गत 'हेल्थ केयर, केमिकल, बायोलॉजिकल एवं फार्मास्युटिकल साइंसेज में अनुसंधान, विकास और नवाचार'

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में सम्मान ग्रहण करते राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के सहायक प्राध्यापक।

विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश के शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के दोनों प्राध्यापकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर संस्थान का नाम रोशन किया। डॉ. सुनम साहा को विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्ट उपलब्धियों और युवा शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन देने के लिए वुमन साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं कुलदीप सिंह को उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अकादमिक उत्कृष्टता और स्वास्थ्य विज्ञान में निरंतर योगदान के लिए बेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड प्रदान किया गया। आर.के. एज्युकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, केडी यूनिवर्सिटी के उप-कुलाधिपति मनोज अग्रवाल तथा संस्थान के निदेशक डॉ. हिमांशु चोपड़ा ने दोनों प्राध्यापकों को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गर्व का विषय बताया।

बच्चों की मेंटल हेल्थ पर गहरा असर

ऑनलाइन गेम और रील्स का एडिक्शन बन रहा जानलेवा

यूनिक समय, दिल्ली। मोबाइल फोन अब सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह बच्चों और युवाओं की जिंदगी पर भारी पड़ने लगा है। ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया रील्स की लत मानसिक स्वास्थ्य को इस कदर नुकसान पहुंचा रही है कि इसके नतीजे आत्महत्या जैसे भयावह मामलों में सामने आ रहे हैं। हाल ही में गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने मोबाइल गेम के आखिरी टास्क के नाम पर नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। बच्चियों की उम्र 12, 14 और 16 वर्ष थी। यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली है।

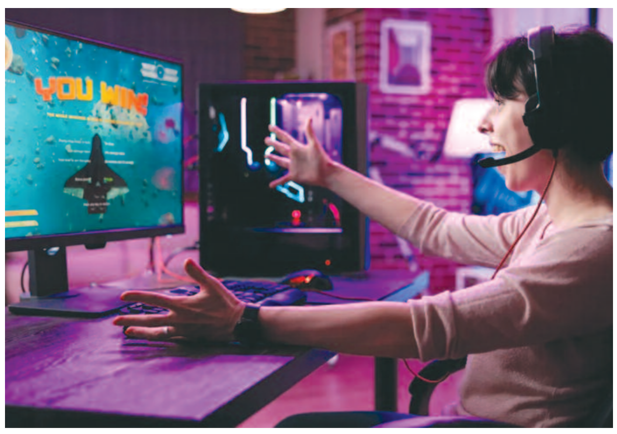

पुलिस को मिला सुसाइड नोट इस बात का संकेत था कि मोबाइल ही बच्चों की पूरी दुनिया बन चुका था। बच्चियां करीब तीन साल से ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में थीं, लेकिन माता-पिता को इसका अंदाजा तक नहीं लग सका। ऐसी घटनाएं अकेली नहीं हैं। कर्नाटक में भी हाल के महीनों में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े आत्महत्या के कई मामले सामने आ चुके हैं।

गेमिंग और सोशल मीडिया कैसे बनते है खतरनाक: हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, गेम जीतने पर दिमाग में डोपामिन रिलीज होता है, जो खुशी का एहसास देता है। यही एहसास धीरे-धीरे लत में बदल जाता है। हार की स्थिति में गुस्सा, चिड़चिड़ापन, नींद न आना और डिप्रेशन जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। एक अध्ययन के मुताबिक भारत में 60 प्रतिशत मानसिक बीमारियां 35 साल से कम उम्र में शुरू हो रही हैं, जिनकी बड़ी वजह स्क्रीन और ऑनलाइन गेमिंग का अत्यधिक इस्तेमाल है।

डिजिटल एडिक्शन से बढ़ रही बीमारियां: रील्स और सोशल मीडिया की लत से घबराहट, अकेलापन,

डिजिटल नशे से बढ़ रहे सुसाइड, डिप्रेशन और गंभीर बीमारियों के मामले

अनिद्रा, डिप्रेशन और हकीकत से दूरी बढ़ रही है। लंबे समय तक मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने से टेक्स्ट नेक सिंड्रोम, सिरदर्द, गर्दन और पीठ दर्द, आंखों की कमजोरी, नींद की बीमारी, मोटापा, डायबिटीज और हार्ट से जुड़ी समस्याएं भी सामने आ रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अब जरूरत सिर्फ बच्चों को रोकने की नहीं, बल्कि उनसे बात करने और उनके व्यवहार को समझने की है। समय रहते डिजिटल आदतों पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो ऑनलाइन गेम और रील्स का यह नशा आने वाले समय में और भी खतरनाक साबित हो सकता है।

बिना मावा-पनीर के बनाएं एकदम सॉफ्ट रसगुल्ले

यूनिक समय, मथुरा। अगर मीठा खाने का मन हो और घर में मावा, पनीर या छेना मौजूद न हो, तो भी अब रसगुल्ले बनाना मुश्किल नहीं है। चावल के आटे से तैयार होने वाले ये सफेद रसगुल्ले स्वाद में इतने सॉफ्ट और स्पंजी होते हैं कि बाजार के रसगुल्लों को भी पीछे छोड़ दें। खास बात यह है कि यह रेसिपी बेहद आसान है और कम समय में तैयार हो जाती है।

रसगुल्ले का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के मुंह में पानी आ जाता है। आमतौर पर लोग सफेद रसगुल्ले बाजार से ही खरीदते हैं, लेकिन अब आप इन्हें घर पर भी आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती और कुकर या पैन किसी में भी ये रसगुल्ले बनाए जा सकते हैं।

रसगुल्ले बनाने की सामग्री: इस रेसिपी के लिए 1 कप दूध, 1 कप चावल का आटा, 1 चम्मच देसी घी, 1/4 चम्मच चीनी और चाशनी

सिर्फ चावल के आटे से बनेंगे स्पंजी सफेद रसगुल्ले

के लिए 1 कप चीनी व डेढ़ कप पानी चाहिए।

बनाने की विधि: सबसे पहले कुकर या पैन में चीनी और पानी डालकर हल्की चाशनी तैयार करें, जिसमें सिर्फ चीनी घुल जाए। दूसरी ओर पैन में दूध गर्म करें, उसमें चीनी, चावल का आटा और देसी घी डालकर लगातार चलाते हुए गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। गैस बंद कर मिश्रण को ठंडा होने दें। अब इस मिश्रण को हाथों से मसलकर चिकना डो बनाएं और छोटे-छोटे दरार रहित रसगुल्ले तैयार करें। तैयार रसगुल्लों को हल्की गर्म चाशनी में डालकर कुकर में 2-3 मिनट पकाएं। ठंडा होने पर रसगुल्ले परोसने के लिए तैयार हैं। एक बार यह रेसिपी ट्राय करने के बाद आप बाजार से रसगुल्ले खरीदना भूल जाएंगे।

काली या पीली सरसों: खाना पकाने के लिए कौन सा तेल ज्यादा फायदेमंद

यूनिक समय, मथुरा। भारत में सरसों का तेल पारंपरिक रूप से खाना पकाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसका तीखा स्वाद और तेज खुशबू दाल-सब्जी से लेकर तड़के तक खाने का स्वाद बढ़ा देती है। लेकिन बाजार में मिलने वाली सरसों दो प्रकार की होती है-काली सरसों और पीली सरसों। दोनों से निकले तेल के गुण अलग-अलग होते हैं, जिस कारण लोग अक्सर यह तय नहीं कर पाते कि सेहत के लिए कौन सा तेल बेहतर है।

काली और पीली सरसों में अंतर: काली सरसों के दाने छोटे और गहरे रंग के होते हैं। इनमें तेल की मात्रा अधिक होती है और स्वाद बेहद तीखा होता है। वहीं पीली सरसों के दाने हल्के पीले रंग के होते हैं और इनसे निकलने वाला तेल स्वाद व खुशबू में माइल्ड होता है। दोनों सरसों के पोषक तत्व लगभग समान हैं, लेकिन उपयोग और प्रभाव में अंतर देखने को मिलता है।

काली सरसों के तेल के फायदे: काली सरसों का तेल तड़का, अचार और डीप फ्राई के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसका स्मोक पॉइंट अधिक होता है, जिससे यह तेज आंच पर पकाने में सुरक्षित रहता है। इसमें फिनोल और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं। सीमित मात्रा में सेवन पाचन के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

पीली सरसों के तेल के फायदे: पीली सरसों का तेल हल्का होता है और जल्दी पच जाता है। इसमें ओमेगा-3

स्वाद, पोषण और सेहत के हिसाब से जानिए दोनों सरसों के तेल का अंतर

फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। इसमें एंटीसेप्टिक और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। यही कारण है कि इसे बालों और त्वचा पर लगाने के लिए भी अच्छा माना जाता है।

सेहत के लिए कौन सा बेहतर: अगर हल्का और आसानी से पचने वाला तेल चाहिए, तो पीली सरसों का तेल बेहतर विकल्प है। वहीं तीखा स्वाद पसंद करने वाले लोग काली सरसों का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। दोनों ही तेल अगर कोल्ड-प्रेस्ड और शुद्ध हों, तो सेहत को ज्यादा लाभ पहुंचाते हैं।

सीएम धामी के निर्देश पर ऐतिहासिक फैसला, भारतीय पर्वतारोहियों से नहीं लिया जाएगी कोई शुल्क

उत्तराखंड में पर्वतारोहियों के लिए खुशखबरी, हिमालय की 83 चोटियां चढ़ाई के लिए खुलीं

यूनिक समय, दिल्ली। देवभूमि उत्तराखंड ने साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए हिमालय की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोल दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) ने वन विभाग के समन्वय से यह बड़ा निर्णय लिया है। इस फैसले से राज्य को वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर एक मजबूत पहचान मिलने की उम्मीद है, साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी नई रफ्तार मिलेगी।

इन 83 हिमालयी चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से लेकर 7,756 मीटर तक है। इनमें कामेट (7,756 मीटर), नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा और त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल हैं। ये शिखर न केवल तकनीकी कठिनाइयों के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रोमांच के कारण दुनियाभर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालय उत्तराखंड की पहचान, विरासत और शक्ति का प्रतीक है। 83 प्रमुख चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोलना राज्य के साहसिक पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य

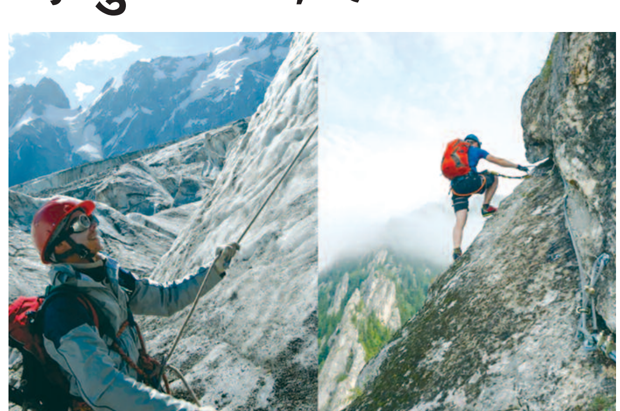

युवाओं को पर्वतारोहण जैसे साहसिक क्षेत्रों की ओर प्रेरित करना, स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना और पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

इस फैसले से भारतीय पर्वतारोहियों को बड़ी राहत मिली है। अधिसूचित सभी 83 चोटियों पर अब भारतीय पर्वतारोहियों से पीक फीस, कैंपिंग शुल्क या पर्यावरण शुल्क नहीं लिया जाएगा। पहले यह शुल्क भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन और वन विभाग द्वारा वसूला जाता था, लेकिन अब राज्य सरकार स्वयं इसका वहन करेगी। इससे आर्थिक कारणों से पीछे रह जाने वाले युवाओं को आगे बढ़ने का बड़ा अवसर मिलेगा।

विदेशी पर्वतारोहियों के लिए भी व्यवस्था को सरल बना दिया गया है। पहले लगने वाला राज्य स्तरीय अतिरिक्त शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब उन्हें केवल आईएमएफ द्वारा निर्धारित शुल्क ही देना होगा, जिससे उत्तराखंड की अंतरराष्ट्रीय अपील और मजबूत होगी। सभी पर्वतारोहण अभियानों के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। इसके लिए उत्तराखंड माउंटेनियरिंग परमिशन सिस्टम पोर्टल शुरू किया गया है, जिससे अनुमति प्रक्रिया पारदर्शी और तेज होगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी अभियानों में सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय नियमों का सख्ती से पालन अनिवार्य होगा। "लीव नो ट्रेस" सिद्धांत के तहत हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी की रक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह पहल उत्तराखंड को देश-विदेश में एक प्रमुख साहसिक पर्यटन गंतव्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

सुविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी 11:09-08:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरा फाल्गुनी 03:27-01:34 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय	07:12 AM	चन्द्रोदय	04:17 PM
सूर्यास्त	06:10 PM	चंद्रास्त	06:39 AM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	12:09PM -12:51 PM	ब्रह्म मुहूर्त	05:34-06:22
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	01:54 AM-03:16 AM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नए साल का व्रत-त्योहार कैलेंडर

- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

सिर्फ शादी नहीं, हर नई शुरुआत में क्यों गूंजता है "मंगलम् भगवान विष्णु"

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत मंगलाचरण से करने की परंपरा अत्यंत प्राचीन और गहरी आस्था से जुड़ी हुई है। विवाह हो या गृह प्रवेश, नया व्यवसाय शुरू करना हो या नौकरी का पहला दिन, यहाँ तक कि किसी बड़े निर्णय की शुरुआत भी शुभ मंत्रों के उच्चारण से की जाती है। यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने का एक आध्यात्मिक माध्यम मानी जाती है।

हर शुभ कार्य में क्यों बोला जाता है "मंगलम् भगवान विष्णुः"

जब भी किसी नए कार्य की शुरुआत होती है, तो लोगों की जुबान पर सहज ही एक संस्कृत मंत्र आ जाता है– **"मंगलम् भगवान विष्णुः"**। माना जाता है कि भगवान विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता हैं और उनके स्मरण से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। इस मंत्र का उच्चारण यह विश्वास दिलाता है कि कार्य मंगलमय होगा और उसका परिणाम भी शुभ रहेगा। यही कारण है कि यह मंत्र पीढ़ियों से हर नई शुरुआत का अभिन्न हिस्सा बना हुआ है।

आस्था, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक

यह मंत्र केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं है, बल्कि आस्था, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का सशक्त प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब किसी कार्य की शुरुआत श्रद्धा और विश्वास के साथ की जाती है, तो मन में आत्मविश्वास जागृत होता है। इससे व्यक्ति न केवल मानसिक रूप से शांत रहता है, बल्कि उसकी सोच भी सकारात्मक बनती है, जो आगे चलकर निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करती है।

भगवान विष्णुः सृष्टि के पालनकर्ता

मान्यता है कि भगवान विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता हैं। जब किसी कार्य की शुरुआत उनके स्मरण से की जाती है, तो वह कार्य बाधाओं से मुक्त होकर सफलता की ओर अग्रसर होता है। यही कारण है कि **मंगलम् भगवान विष्णुः** मंत्र को शुभता और कल्याण का सूत्र कहा गया है। यह मंत्र यह संदेश देता है कि जीवन में स्थिरता, संतुलन और संरक्षण के लिए विष्णु का आशीर्वाद आवश्यक है।

मंगलम् भगवान विष्णु मंत्र का अर्थः यह प्रसिद्ध संस्कृत श्लोक भगवान विष्णु की स्तुति में रचा गया है– **"मंगलम् भगवान विष्णुः, मंगलम् गरुड़ध्वजः।"** इसका अर्थ है कि भगवान विष्णु मंगलकारी हैं और गरुड़ध्वजधारी विष्णु जीवन में कल्याण और सुरक्षा प्रदान करते हैं। शास्त्रों में इसे मंगलाचरण कहा गया है, अर्थात ऐसा मंत्र जिसे किसी भी शुभ कार्य से पहले बोला जाता है ताकि कार्य निर्विघ्न पूर्ण हो।

शास्त्रों में मंत्र की विशेष भूमिका–धार्मिक ग्रंथों में मंगलाचरण को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यह न केवल ईश्वर का आह्वान करता है, बल्कि साधक के मन को एकाग्र और स्थिर भी करता है। शास्त्रों के अनुसार, शुभ शुरुआत व्यक्ति के कर्मों को सही दिशा देती है और उसके प्रयासों को सफल बनाती है।

आधुनिक जीवन में भी उतनी ही प्रासंगिकता– आज के तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में भी मंगलम् भगवान विष्णुः मंत्र की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। लोग मानते हैं कि इस मंत्र का जाप मानसिक तनाव को कम करता है और मन को स्थिरता प्रदान करता है। यही कारण है कि परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बनकर यह मंत्र हर नई शुरुआत में आज भी गूंजता है।

कल का राशिफल

मेष राशिः चंद्र देव छठे भाव रोग और शत्रु के क्षेत्र में कन्या राशि से गोचर कर रहे हैं। इस कारण सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है।

वृषभ राशिः आपके लग्न स्वामी शुक्रदेव वर्तमान में नौवें भाव भाग्य के क्षेत्र में मकर राशि से गोचर कर रहे हैं, जो आर्थिक लाभ के बेहतरीन संकेत दे रहे हैं।

मिथुन राशिः राशिफल के अनुसार दिन माइंडफुल कम्युनिकेशन और व्यवस्थित सोच पर फोकस करने का है। आप अपने आइडियाज को सॉर्ट करने और केवल जरूरी बातों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत महसूस कर सकते हैं।

कर्क राशिः राशिफल आपको अपनी भावनाओं और जिम्मेदारियों को शांति से व्यवस्थित करने की सलाह देता है। आपका मन डेली रूटीन और पर्सनल मैटर्स को ऑर्डर में लाने का करेगा।

सिंह राशिः राशिफल आपको कॉन्फिडेंस और धैर्य के बीच बैलेंस बनाने की सलाह देता है। आपका मन दिखावे के बजाय अपनी लगातार मेहनत से खुद को साबित करने का करेगा।

कन्या राशिः कन्या राशिफल आपको चीजों को व्यवस्थित करने, जिम्मेदारी लेने और सोच-समझकर कदम उठाने की सलाह देता है।

तुला राशिः तुला राशिफल आज संतुलन, जिम्मेदारी और सोच-समझकर चुनाव करने पर फोकस करने की सलाह देता है। आज आपका मन रिश्तों या डेली रूटीन को एक सही व्यवस्था देने का करेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वाले खुद को बहुत फोकस्ड और संकल्पित महसूस करेंगे।

मंगल का उच्च का होना आपको पराक्रम देगा, जिससे आप अपने लक्ष्यों को निजी तौर पर और गहराई से हासिल करेंगे। आपकी परखने की शक्ति आज कमाल की रहेगी।

मकर राशिः मकर राशि वाले आज बहुत ही अनुशासित और प्रभावशाली फेज में हैं। लग्न स्वामी शनिदेव और उच्च के मंगल का प्रभाव आपको करियर में शिखर पर ले जाने का दम रखता है। आप अपनी जिम्मेदारियों को बहुत ही गंभीरता से निभाएंगे।

धनु राशिः धनु राशि के जातकों के लिए जोश के बजाय होश से काम लेने का दिन है।

आप अपनी समझदारी से करियर में नई नींव रखेंगे। हालांकि, काम की धीमी गति आपको परेशान कर सकती है, इसलिए जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया न दें।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों के लिए दिन स्पष्ट विजन और भविष्य की प्लानिंग का है। लग्न स्वामी शनिदेव के धन भाव में होने से आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

मीन राशिः मीन राशि के लोगों के लिए दिन अपनी मन की सुनने और शांति से आगे बढ़ने का है।

चंद्रमा के सातवें भाव में होने से साझेदारी के कामों में लाभ और संबंधों में गहराई आएगी।

हर मंत्र से पहले ॐ क्यों बोला जाता है और इसके बिना जप क्यों अधूरा माना जाता है

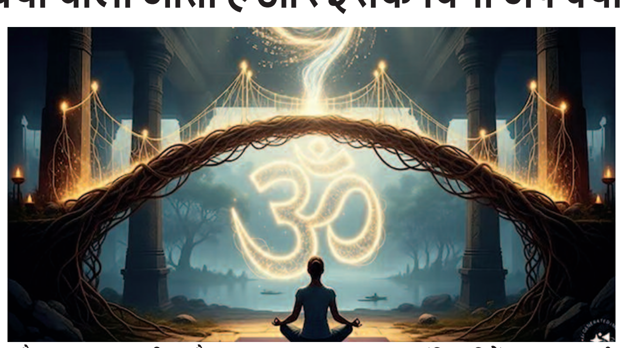

यूनिक समय, मथुरा। सुबह की शांति में मंदिर की घंटी बजती है या घर के किसी कोने में धीमी आवाज़ में मंत्रोच्चार होता है, और अक्सर शुरुआत होती है एक ही ध्वनि सेः ॐ। हिन्दू धर्म में मंत्र जप की शुरुआत ॐ से करना उतना ही स्वाभाविक माना गया है, जितना सांस लेने से पहले हवा का होना।

ॐ कोई साधारण शब्द नहीं है, बल्कि यह 'प्रणव' कहलाता है। इसे तीन अक्षरों अ, उ, म से बनाया गया है। 'अ' सृष्टि की शुरुआत, 'उ' पालन और निरंतरता, और 'म' अंत और लय का प्रतीक है। जब इन तीनों का उच्चारण एक साथ होता है, तो यह जीवन के पूरे चक्र को समेट लेता है। ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि ॐ मंत्र को ऊर्जा का वाहक और शुद्ध करने वाला आधार देता है। इससे मंत्र का कंपन और शक्ति बढ़ती है। अगर जप के दौरान उच्चारण में हल्की गलती भी हो जाए, तो ॐ उसे संतुलित कर देता है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी ॐ का महत्व है। इसका उच्चारण करते समय सांस लंबी होती है, मन शांत और एकाग्र होता है और नकारात्मक विचार धीमे पड़ जाते हैं। यही मानसिक स्थिति मंत्र जप के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है। शास्त्रों में भी वर्णित है कि बिना ॐ के मंत्र अधूरा माना जाता है। यह मंत्र को शुद्ध करता है, उसकी ऊर्जा बढ़ाता है।

राहु-केतुः दिखते नहीं, फिर भी बदल देते हैं जिंदगी की दिशा, जानते हैं इनका असली असर

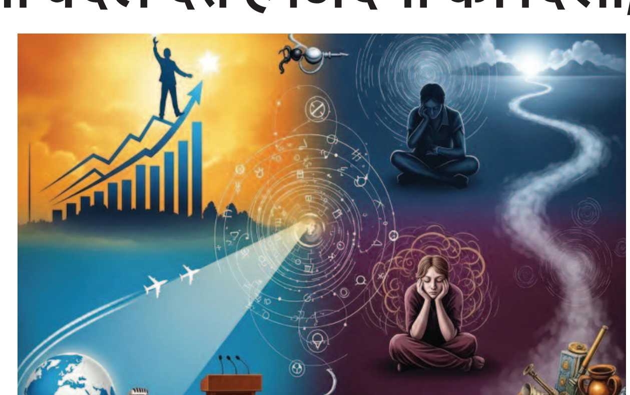

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष के दो रहस्यमय ग्रह राहु और केतु अक्सर डराने वाले नहीं, बल्कि दिशा बदलने वाले ग्रह माने जाते हैं। ये दोनों "छाया ग्रह" हैं, जो आंखों को नहीं दिखाई देते, लेकिन इंसान के जीवन पर गहरा असर डालते हैं। राहु अचानक सफलता, शोहरत और दुनिया की चमक देता है, जबकि केतु इंसान को अंदर की सच्चाई और आत्मिक शांति से मिलाता है। ज्योतिषी पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि राहु इंसान को फर्श से अर्श तक पहुंचा सकता है। जब राहु कुंडली में मजबूत होता है तो व्यक्ति जोखिम लेने से डरता नहीं, भीड़ से अलग दिखता है और कभी-कभी सिस्टम को तोड़ने की हिम्मत भी जुटा लेता है। वहीं कमजोर राहु उलझन, तनाव, डर और घर के झगड़े बढ़ा सकता है। राजनीति, मीडिया, टेक्नोलॉजी या बड़े बिजनेस में ऊंचाई हासिल करने वाले कई लोगों की कुंडली में मजबूत राहु पाया गया है। वहीं केतु इंसान को भौतिक चीजों से हटाकर अंदर की दुनिया से मिलाता है। जिनकी कुंडली में मजबूत केतु होता है, उनमें गहरी सोच, समझ और अंदर की आवाज सुनने की ताकत होती है। केतु पहले कुछ चीजें छीनता है, फिर सही मार्ग दिखाता है। अचानक सम्मान, ऊंचा पद या आध्यात्मिक उन्नति भी केतु के असर से मिल सकती है। पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय असुर स्वरभानु ने अमृत पी लिया था। भगवान विष्णु ने उसे काट दिया, लेकिन अमृत गले तक पहुंच चुका था। इसके सिर से राहु और धड़ से केतु बने। सूर्य और चंद्रमा से नाराज राहु-केतु ग्रहण करते हैं, और यही ग्रहण योग उनके जीवन में उतार-चढ़ाव का कारण बनता है।

राहु-केतु का असर अक्सर दिखता है

करियर में अचानक उछाल, विदेश जाने के अवसर, मानसिक उलझन और गहरी, आध्यात्मिक सोच, पुरानी चीजों और मोह से मुक्ति, जीवन की दिशा बदल जाना। इन ग्रहों के नकारात्मक असर कम करने के लिए उपाय भी बताए गए हैं। राहु के लिए "ॐ रां राहवे नमः" का जप और शनिवार को काले तिल का दान, केतु के लिए "ॐ कें केतवे नमः" का जप और कुत्तों को रोटी खिलाना फायदेमंद है। दोनों के लिए भगवान शिव की उपासना लाभकारी मानी जाती है। इस तरह, राहु-केतु केवल छाया ग्रह नहीं, बल्कि जीवन में अचानक बदलाव, ऊंचाई और आत्मिक मार्गदर्शन लाने वाले ग्रह हैं।

सम्पादकीय

बच्चों के हाथ में चाबी खतरे में जिंदगी

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी कि नाबालिगों को वाहन चलाने देने के लिए माता-पिता जिम्मेदार हैं, महज कानूनी टिप्पणी नहीं बल्कि समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। यह चेतावनी उन अभिभावकों के लिए है जो आधुनिकता, दिखावे या बच्चों की जिद के आगे झुककर अनजाने में उनके हाथों में जोखिम और मौत की चाबी थमा देते हैं। साथ ही यह सवाल उस व्यवस्था पर भी उठता है, जो हर हादसे के बाद सिर्फ आंकड़े गिनकर अपनी जिम्मेदारी से बच निकलती है। सरकारी आंकड़े इस समस्या की भयावहता को साफ उजागर करते हैं। वर्ष 2023–24 में देशभर में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से 11,890 सड़क हादसे हुए, जिनमें 2,537 लोगों की जान चली गई। ये आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि टूटे हुए परिवारों, बुझते सपनों और समाज की सामूहिक असफलता की कहानी कहते हैं।

पवन गौतम

सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही कहा है कि नाबालिगों को वाहन चलाने देना केवल कानून तोड़ना नहीं, बल्कि एक सामाजिक अपराध है, जिसकी सीधी जिम्मेदारी माता-पिता पर आती है। आज स्थिति यह है कि मोबाइल फोन की तरह ही वाहन की चाबी भी बच्चों की पहुंच में है। "सीख जाएगा", "थोड़ा ही तो चला रहा है" या "हम साथ में हैं" जैसी दलीलें अभिभावकों को आत्मसंतोष तो दे सकती हैं, लेकिन सड़क पर यह लापरवाही जानलेवा साबित होती है। सड़क कोई खेल का मैदान नहीं है, जहां गलती की गुंजाइश हो। वाहन चलाने के लिए परिपक्व निर्णय क्षमता, नियमों की समझ और मानवीय संवेदनशीलता जरूरी है, जो नाबालिग उम्र में स्वाभाविक रूप से विकसित नहीं होती। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि हादसे के बाद नाबालिग होने का बहाना, सामाजिक हैसियत या सहानुभूति सजा से बचने का जरिया नहीं बन सकती। जिम्मेदारी उसी की होगी जिसने नियम तोड़ने की छूट दी–चाहे वह माता–पिता हों, वाहन मालिक हों या ढीली-ढाली लाइसेंसिंग और पुलिस व्यवस्था। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि कई मामलों में सबूत मिटाने, ड्राइवर बदलने या रसूख के दम पर मामले को कमजोर करने की कोशिशें होती हैं, जो पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े करती हैं। अब समय आ गया है कि अभिभावक बच्चों को सिर्फ सुविधाएं देने के बजाय अनुशासन सिखाएं और जरूरत पड़ने पर "ना" कहना सीखें। वहीं सरकार और प्रशासन को लाइसेंस प्रक्रिया, वाहन पंजीयन और यातायात निगरानी को सख्ती से लागू करना होगा। यदि अब भी इस चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, तो हर अगला हादसा सिर्फ दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक लापरवाही का प्रमाण बनेगा।

नजरिया

दिव्यांगजनों के लिए रोजगार : सम्मान आत्मनिर्भरता और विकास का रास्ता

– अशोक कुमार

किसी भी समाज की प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक वृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से भी होता है कि वह अपने कमजोर और वंचित वर्गों को कितनी गरिमा और अवसर प्रदान करता है। दिव्यांगजन समाज का ऐसा ही एक महत्वपूर्ण वर्ग हैं, जिन्हें लंबे समय तक सहानुभूति का पात्र तो माना गया, लेकिन सशक्त भागीदार बनने के अवसर अपेक्षाकृत कम मिले। आज आवश्यकता इस सोच को बदलने की है। दिव्यांगजनों के लिए रोजगार केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक स्वीकृति की कुंजी है।

यह एक कड़वा सच है कि देश में दिव्यांगजनों की बड़ी आबादी आज भी बेरोजगारी, हीन भावना और सामाजिक उपेक्षा से जूझ रही है। इसका मुख्य कारण उनकी अक्षमता नहीं, बल्कि अवसरों की कमी और समाज की सीमित सोच है। यदि दिव्यांगजनों को उनकी दिव्यांगता के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण और अनुकूल कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए, तो वे न केवल अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं, बल्कि देश के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। रोजगार दिव्यांगजनों के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकता है। जब किसी व्यक्ति को काम मिलता है, तो उसके भीतर आत्मविश्वास पैदा होता है और हीन भावना स्वतः समाप्त होने लगती है। काम के माध्यम से वह खुद को समाज के लिए उपयोगी महसूस करता है और समाज भी उसे सम्मान की दृष्टि से देखने लगता है। यह सम्मान किसी भी आर्थिक सहायता से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। दिव्यांगजनों के रोजगार को लेकर पहला और सबसे जरूरी कदम यह होना चाहिए कि उनकी कार्यक्षमता के अनुसार रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। हर दिव्यांग व्यक्ति की क्षमता अलग होती है। कोई बौद्धिक रूप से सक्षम होता है, कोई तकनीकी कार्यों में निपुण होता है, तो कोई रचनात्मक या प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है। ऐसे में 'एक ही मापदंड सभी के लिए' वाली सोच को त्यागना होगा। उदाहरण के लिए, हाथों की कमजोरी वाले दिव्यांगजनों के लिए टाइपिंग परीक्षा की अनिवार्यता एक बड़ी बाधा बन जाती है। यदि इस प्रकार की शर्तों में

व्यावहारिक बदलाव किए जाएं, तो अनेक योग्य उम्मीदवारों के लिए रोजगार के द्वार खुल सकते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि दिव्यांगजनों को उनके शहर या गांव के आसपास ही रोजगार उपलब्ध कराया जाए। दूर-दराज के स्थानों पर नौकरी करने में उन्हें परिवहन, आवास और दैनिक जीवन से जुड़ी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हों, तो वे अधिक सहजता और निरंतरता के साथ काम कर सकेंगे। इसके लिए स्थानीय उद्योगों, पंचायतों, नगर निकायों और जिला प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। तकनीक ने आज रोजगार की परिभाषा को काफी हद तक बदल दिया है। 'वर्क फ्रॉम होम' जैसे विकल्प दिव्यांगजनों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। शारीरिक बाधाओं के कारण जो लोग नियमित कार्यालय नहीं जा सकते, वे घर से ही अपनी सेवाएं दे सकते हैं। सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में इस विकल्प को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही डिजिटल कौशल, कंप्यूटर प्रशिक्षण, डेटा एंट्री, अकाउंटिंग, कस्टमर सपोर्ट, डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम है। इसके लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और वित्तीय संस्थान यदि सरल शर्तों पर ऋण दें, तो दिव्यांगजन अपना छोटा व्यवसाय, दुकान, सेवा केंद्र या उद्यम शुरू कर सकते हैं। इससे वे न केवल स्वयं रोजगार पाएंगे, बल्कि दूसरों को भी रोजगार देने में सक्षम बन सकते हैं। कार्यस्थलों को दिव्यांग अनुकूल बनाना भी उतना ही जरूरी है। रैम्प, लिफ्ट, सुलभ शौचालय, व्हीलचेयर की सुविधा, अनुकूल डेस्क और सहायक उपकरण जैसे ढांचागत बदलाव किसी भी कार्यालय या उद्योग में दिव्यांगजनों की भागीदारी को आसान बना सकते हैं। ये सुविधाएं कोई अतिरिक्त कृपा नहीं, बल्कि समान अवसर सुनिश्चित करने की बुनियादी शर्त हैं।

सरकारी स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण की व्यवस्था पहले से मौजूद है, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। कई विभागों में आरक्षित पद वर्षों तक खाली रहते हैं या फिर प्रक्रियात्मक जटिलताओं के कारण योग्य उम्मीदवारों तक नहीं पहुंच पाते। आवश्यकता इस बात की है कि आरक्षण का कड़ाई से पालन हो और इसकी नियमित निगरानी की जाए।

विशेष जॉब फेयर और रोजगार मेले भी दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम हो सकते हैं। ऐसे आयोजनों में सरकारी विभागों, निजी कंपनियों, उद्योगों और गैर–लाभकारी संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे नियोक्ताओं और दिव्यांगजनों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा और आपसी समझ विकसित होगी।

समाज और नियोक्ताओं की मानसिकता में बदलाव लाना शायद सबसे बड़ी चुनौती है। आज भी दिव्यांगजनों को सहानुभूति की दृष्टि से देखा जाता है, न कि क्षमता के आधार पर। यह सोच बदलनी होगी। दिव्यांगजन दया नहीं, अवसर चाहते हैं। जब उन्हें उनकी योग्यता के अनुसार काम मिलेगा, तो वे अपनी मेहनत और समर्पण से यह साबित कर देंगे कि वे किसी से कम नहीं हैं। अंततः यह समझना होगा कि दिव्यांगजनों को रोजगार देना कोई सामाजिक बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में निवेश है। जब समाज का हर वर्ग विकास की प्रक्रिया में शामिल होगा, तभी विकास वास्तव में समावेशी कहलाएगा। रोजगार के माध्यम से दिव्यांगजनों की हीन भावना समाप्त होगी, उनका आत्मसम्मान बढ़ेगा और समाज उन्हें एक सक्षम, सम्मानित नागरिक के रूप में स्वीकार करेगा। यही किसी भी संवेदनशील और प्रगतिशील समाज की सच्ची पहचान है।

विचार विण्डो

प्रदूषण नियंत्रण की घटती प्राथमिकता : क्या यह बेहतर स्वास्थ्य की राह खोलेगी?

– अभिषेक रावत

केंद्रीय बजट किसी भी देश की नीतिगत प्राथमिकताओं का दर्पण होता है। इसमें यह स्पष्ट झलकता है कि सरकार किस दिशा में संसाधनों का उपयोग कर भविष्य का निर्माण करना चाहती है। वर्ष 2026 के केंद्रीय बजट में हरित विकास, स्वच्छ ऊर्जा और औद्योगिक नवाचार के कई सकारात्मक संकेत अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु जब इसे प्रकृति, पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाता है, तो कई अहम सवाल भी खड़े होते हैं। विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण और कचरा प्रबंधन जैसे बुनियादी मुद्दों पर अपेक्षित गंभीरता का अभाव निराश करता है।

इस बजट की एक उल्लेखनीय उपलब्धि यह है कि स्टील, ऊर्जा और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों से उत्पन्न कार्बन के संग्रहण, उपयोग और भंडारण के लिए 20,000 करोड़ रुपये का विशेष कोष स्थापित किया गया है। यह कदम स्वच्छ उत्पादन को बढ़ावा देने और औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा सकता है। इसके साथ ही नाभिकीय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए भी समान राशि का प्रावधान किया गया है, जिससे दीर्घकाल में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सकती है। इसके अतिरिक्त, हरित मिशन के अंतर्गत आवंटन में दोगुने से अधिक की वृद्धि यह दर्शाती है कि सरकार पर्यावरणीय पहलों को औपचारिक रूप से महत्व दे रही है। हालांकि इन पहलों का लाभ तब ही व्यापक होगा, जब वे आम नागरिक के जीवन स्तर और स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकें। जहां एक ओर वायु प्रदूषण को लेकर देशभर में गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवंटित बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत की कटौती कर इसे मात्र 1091 करोड़ रुपये तक सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय तब और अधिक चौंकाने वाला लगता है, जब यह तथ्य सामने आता है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का कुल बजट आठ प्रतिशत बढ़ाया गया है। यह विरोधाभास दर्शाता है कि पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में प्राथमिकता का संतुलन अभी भी स्पष्ट नहीं है। पर्यावरण का मूल उद्देश्य केवल संसाधनों का संरक्षण नहीं, बल्कि बेहतर और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना है, जिसे इन सीमित प्रावधानों के माध्यम से हासिल कर पाना कठिन प्रतीत होता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे बदलावों के कारण गैर-संक्रामक रोग आज सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियां, दमा और कैंसर जैसी समस्याओं के पीछे तेजी से फैलता प्रदूषण एक प्रमुख कारण है। यदि वायु गुणवत्ता में सुधार किया जाए, तो इन बीमारियों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक और सिंथेटिक कपड़ों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर भी लगातार चिंताएं जताई जाती रही हैं। बजट में प्लास्टिक नियंत्रण को लेकर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं देती, हालांकि प्राकृतिक, सस्टेनेबल और हथकरघा वस्त्रों के प्रोत्साहन हेतु वत्र स्त्र क्षेत्र के एकीकृत कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो इससे कपड़ों से जुड़ी कई स्वास्थ्य समस्याओं को कम किया जा सकता है। हाल ही में इंदौर में हुई जल संबंधी त्रासदी के बावजूद बजट में स्वच्छ पेयजल को लेकर कोई ठोस और स्पष्ट घोषणा न किया जाना चिंताजनक है। शहरी पर्यावरणीय स्वास्थ्य, जिसमें साफ हवा, सुरक्षित पानी और स्वच्छ परिवेश शामिल हैं, अब भी नीति निर्धारण का केंद्रीय विषय नहीं बन पाया है। यह तब है, जब तेजी से हो रहा शहरीकरण स्वास्थ्य जोखिमों को और बढ़ा रहा है। प्रकृति, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिहाज से कचरा प्रबंधन इस बजट का सबसे कमजोर पक्ष साबित होता है। खाद्य बर्बादी, खुले में कचरा जलाना और केंद्रीकृत कचरा प्रसंस्करण जैसे प्रमुख कार्बन स्त्रोतों पर नियंत्रण के लिए किसी भी प्रकार की ठोस रणनीति का उल्लेख नहीं किया गया है।

हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा की श्रेणी में आने वाली सीएनजी गैस में बायोगैस अवयव को पूरी तरह केंद्रीय उत्पाद शुल्क से मुक्त करना एक सराहनीय कदम है। पिछले कुछ वर्षों में कचरे से खाद के विपणन में आई बाधाओं और ऊर्जा उत्पादन की सीमाओं के कारण सीएनजी निर्माण एक व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प के रूप में उभरा है। यह तकनीक कम मात्रा में भी कचरे के प्रसंस्करण में सक्षम है और प्रभावी कचरा प्रबंधन की दिशा में दूरगामी परिणाम दे सकती है। इस बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1.06 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बजट में भी छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके बावजूद, स्वास्थ्य पर कुल खर्च अब भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के तहत सकल घरेलू उत्पाद के एक प्रतिशत के लक्ष्य से काफी कम है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बजट का फोकस बीमारी की रोकथाम के बजाय इलाज पर अधिक केंद्रित दिखाई देता है। जबकि स्वास्थ्य ऐसा क्षेत्र है, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। उचित होता कि संस्थागत विकास के साथ-साथ बचाव के उपायों, विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ पर्यावरण और जीवनशैली सुधार पर अधिक ध्यान दिया जाता।

यह बजट कुछ क्षेत्रों में भविष्य की झलक जरूर दिखाता है, लेकिन पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे आपस में गहराई से जुड़े मुद्दों पर एक समग्र और समन्वित दृष्टिकोण का अभाव स्पष्ट है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण, सुदृढ़ कचरा प्रबंधन और स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की आधारशिला रख सकते हैं। जब तक नीति निर्धारण में इन पहलुओं को समान प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक बेहतर स्वास्थ्य और सतत विकास का लक्ष्य अधूरा ही रहेगा।

ग्रुप स्टेज से सुपर–8 तक का रोमांच

टी–20 विश्व कप 2026 में कैसे तय होगी टीमों की तकदीर?

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 की शुरुआत अब बस दो दिन दूर है। सात फरवरी से शुरू होकर यह टूर्नामेंट आठ मार्च तक चलेगा। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ में कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें ग्रुप स्टेज, सुपर-8, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल हैं। आईसीसी ने हाल ही में अपडेटेड शेड्यूल जारी किया है, जिसमें बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है।

इस बार टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुप-ए, बी, सी और डी-में बांटा गया है। हर ग्रुप में पांच टीमें होंगी। ग्रुप स्टेज में प्रत्येक टीम अपने ग्रुप की बाकी चार टीमों के खिलाफ चार मैच खेलेगी। जीत पर दो अंक, नो रिजल्ट पर एक अंक और हार पर शून्य अंक मिलेगा। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर-8 राउंड में प्रवेश करेंगी।

सुपर-8 चरण में पहुंचने वाली आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। किस टीम को किस सुपर-8 ग्रुप में रखा जाएगा, यह ग्रुप स्टेज की रैंकिंग पर निर्भर करेगा। अगर किसी ग्रुप में उलटफेर होता है और कोई कमजोर मानी जा रही टीम टॉप-2 में पहुंचती है, तो सुपर-8 का समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। ग्रुप स्टेज में 19 फरवरी तक लगभग हर दिन तीन मुकाबले खेले जाएंगे। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे, दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे से होंगे। सुपर-8 राउंड 21 फरवरी से एक मार्च तक चलेगा। सेमीफाइनल चार और पांच मार्च को, जबकि फाइनल आठ मार्च को खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर विवाद जरूर रहा है, लेकिन टूर्नामेंट में रोमांच की कोई कमी नहीं होगी। बड़े स्टेडियम, मजबूत टीमें और नया फॉर्मेट-सब मिलकर टी20 विश्व कप 2026 को क्रिकेट फैंस के लिए यादगार बनाने वाले हैं।

'मिर्जापुर: द मूवी' अब बड़े पर्दे पर मचाएगी भौकाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी की दुनिया में धमाल मचाने के बाद अब 'मिर्जापुर' सिनेमाघरों में दर्शकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। गालियों से भरे दमदार डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख और खून-खराबे से सजी इस वेब सीरीज ने कुछ ही समय में खुद को एक कल्ट फ्रैंचाइजी के रूप में स्थापित कर लिया। अब मेकर्स इस भौकाली कहानी को बड़े पर्दे पर लाने जा रहे हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' में कालीन भैया और त्रिपाठी परिवार की अनसुनी कहानी दिखाई जाएगी। साथ ही, मुन्ना और गुडडू पंडित की वापसी भी उसी आक्रामक और भौकाली अंदाज में होगी, जिसे दर्शक लंबे समय से पसंद करते आए हैं। फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स को एक नए स्तर पर ले जाने का वादा करती है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म पहली बार सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है।

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि 'मिर्जापुरः द मूवी' 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रेंचाइजी अब थिएटर में दर्शकों के लिए वही पुराना भौकाल लेकर आ रही है। 'मिर्जापुरः द मूवी' के साथ फैंस को बड़े पर्दे पर एक नया और दमदार अनुभव मिलने वाला है।

अन्डर– 19 वर्ल्ड कप 2026

भारत बनाम इंग्लैंड फाइनल का महामुकाबला कल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। 15 फरवरी से शुरू हुए इस टूर्नामेंट के बाद अब 6 फरवरी को चैंपियन टीम का फैसला होगा। खिताबी मुकाबले में भारत और इंग्लैंड आमने–सामने होंगे। इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि भारत ने अफगानिस्तान को करारी शिकस्त देकर लगातार छठी बार फाइनल का टिकट कटाया।

भारतीय टीम के 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में अपने आक्रामक अंदाज से सभी का ध्यान खींचा है। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने 33 गेंदों पर 68 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 200 से अधिक रहा। फाइनल में भी उनसे इसी तरह की विस्फोटक बल्लेबाजी की उम्मीद की जा रही है। फाइनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के पास एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा। अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ 35 रन बना लेते हैं, तो वह यूथ ओडीआई में पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को पीछे छोड़ देंगे। वैभव ने अब तक 24 मैचों में 1237 रन बनाए हैं, जबकि बाबर आजम ने 36 मैचों में 1271 रन बनाए थे। यूथ ओडीआई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में वैभव चौथे स्थान पर हैं। फाइनल में वह तन्मय श्रीवास्तव को पछाड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच सकते हैं। भारतीय टीम पहले ही पांच बार व19 वर्ल्ड कप जीत चुकी है और अब कप्तान आयुष म्हात्रे की अगुआई में छठी ट्रॉफी पर नजरें टिकी हैं।

टी–20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। तेज गेंदबाज हर्षित राणा साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मैच के दौरान चोटिल हो गए हैं। यह मुकाबला 4 फरवरी को नवी मुंबई में खेला गया, जहां राणा असहज नजर आए और मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। मैच के दौरान हर्षित राणा को एक ओवर में दो बार अपना रन-अप बीच में रोकना पड़ा। इसके बाद वह घुटने को पकड़ते हुए लंगड़ाकर मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 16 रन खर्च किए। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हर्षित राणा की चोट ऐसे समय पर आई है, जब भारतीय टीम पहले ही कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस समस्याओं से परेशान है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में साइड स्ट्रेन के कारण बाहर रहे थे, हालांकि वह अभी भी वर्ल्ड कप स्क्वॉड का हिस्सा हैं। वहीं, युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा चोट से उबरकर पूरी तरह फिट हो चुके हैं और साउथ अफ्रीका के खिलाफ वॉर्म-अप मुकाबले में उन्होंने 19 गेंदों पर 45 रनों की विस्फोटक पारी खेली। टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट से ठीक पहले हर्षित राणा की चोट ने टीम मैनेजमेंट की चिंताएं बढ़ा दी हैं, खासकर तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर। अब सभी की नजरें बीसीसीआई के मेडिकल अपडेट पर टिकी होंगी।

दुबई में अल्लू सिरीश और नयनिका की प्री–वेडिंग पार्टी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरीश जल्द ही अपनी मंगेतर नयनिका रेड्डी के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इससे पहले कपल ने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ दुबई में शानदार प्री-वेडिंग पार्टी का आयोजन किया। इस खास मौके पर आयोजित यॉट पार्टी के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

इस प्री-वेडिंग यॉट पार्टी में साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन भी अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी के साथ शामिल हुए। पार्टी के दौरान पूरा अल्लू परिवार बेहद खुश और एंजॉय करता नजर आया। यॉट पर संगीत, डांस और जश्न का माहौल देखने को मिला, जहां सभी मेहमानों ने जमकर मस्ती की। अल्लू सिरीश ने इस प्री-वेडिंग बैश का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, "दुबई में 30–31 जनवरी को दोस्तों के साथ मनाई गई प्री–वेडिंग पार्टी की यादें।" वीडियो में अल्लू सिरीश और नयनिका रेड्डी के साथ अल्लू अर्जुन और स्नेहा रेड्डी शैम्पेन एंजॉय करते और म्यूजिक पर डांस करते नजर आ रहे हैं। यॉट पार्टी की झलकियों ने फैंस का दिल जीत लिया है। शादी से पहले कपल का यह जश्न उनके नए जीवन की खुशहाल शुरुआत का संकेत दे रहा है।

मीराबाई चानू ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की स्टार भारोत्तोलक और ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने अपने ही तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार कर नया इतिहास रच दिया।

मणिपुर की इस दिग्गज भारोत्तोलक ने कुल 205 किलोग्राम वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 89 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम भार उठाकर स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल प्रयास-तीनों में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्नैच रिकॉर्ड 88 किलोग्राम था, जिसे उन्होंने पीछे छोड़ दिया। मीराबाई चानू पिछले कुछ वर्षों से स्नैच में 90 किलोग्राम की बाधा को पार करने के बेहद करीब पहुंचती रही हैं। इस प्रतियोगिता में भी उन्होंने अंतिम प्रयास में 91 किलोग्राम उठाने की कोशिश की, लेकिन संतुलन नहीं बना पाईं। वहीं, क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 112 और 116 किलोग्राम सफलतापूर्वक उठाए, हालांकि 120 किलोग्राम का प्रयास असफल रहा।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद मीराबाई चानू ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। 49 किलोग्राम वर्ग से 48 किलोग्राम वर्ग में आकर यह उपलब्धि हासिल करना उनके लिए बड़ी बात है। उन्होंने भरोसा जताया कि पूरी तैयारी के साथ वह जल्द ही 90 किलोग्राम की बाधा पार करेंगी।

सीएम योगी ने दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

चाइनीज मांझे ने ली बेटियों के पिता की जान

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे ने एक बार फिर जान ले ली। हैदरगंज तिराहे के पास फ्लाइओवर पर बाइक सवार 32 वर्षीय मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव शोएब की गर्दन में चाइनीज मांझा फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। खून से लथपथ हालत में उन्हें ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

शोएब पुराने लखनऊ के दुबग्गा इलाके में अपनी मां, पत्नी और दो मासूम बेटियों के साथ रहते थे। बुधवार दोपहर वह बाइक से एवररेडी चौराहे से चौक की ओर जा रहे थे। अचानक उड़ते पतंग के चाइनीज मांझे ने उनकी गर्दन को जकड़ लिया। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही उनकी हालत गंभीर हो गई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही चाइनीज मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। लखनऊ में कई पतंग दुकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में चाइनीज मांझा जब्त किया गया और कुछ दुकानदारों को गिरफ्तार भी किया गया है। गौरतलब है कि चाइनीज मांझे पर पहले से ही कोर्ट और एनजीटी का प्रतिबंध है, इसके बावजूद यह बाजार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। चाइनीज मांझा नायलॉन, मेटैलिक पाउडर और कांच के कणों से बनाया जाता है, जो इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों के लिए भी जानलेवा है।

सीएम योगी ने साफ निर्देश दिए हैं कि चाइनीज मांझे के खिलाफ पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

कोरियन एक्टर के प्रति जुनून बना मौत की वजह

गाजियाबाद ट्रिपल सुसाइड केस में सुसाइड नोट से चौंकाने वाले खुलासे

यूनिक समय, गाजियाबाद। तीन नाबालिग बहनों की आत्महत्या के मामले में पुलिस जांच के दौरान एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसने पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बना दिया है। नोट में तीनों बहनों ने कोरियन एक्टर और के-पॉप ग्रुप के प्रति अपने गहरे लगाव और जुनून का जिक्र किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सुसाइड नोट में लिखा है कि वे कोरियन कलाकारों से बेहद प्यार करती थीं और यही उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा था।

सुसाइड नोट में बहनों ने लिखा है कि उन्हें कोरियन एक्टर और पॉप ग्रुप से अलग किया जा रहा था, जिससे वे मानसिक तनाव में थीं। नोट में पिता से माफी मांगते हुए लिखा गया है कि शादी और सामाजिक दबाव उन्हें स्वीकार नहीं था। उन्होंने यह भी लिखा कि उनका लगाव इतना गहरा था कि वे अपने परिवार से भी ज्यादा कोरियन कलाकारों को चाहती थीं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कहीं यह जुनून किसी मानसिक दबाव या अन्य कारणों से जुड़ा तो नहीं था।

बताया जा रहा है कि मृतक बहनें निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) सोशल मीडिया पर भी सक्रिय थीं। उन्होंने एक अकाउंट बनाया था, जिसमें खुद को कोरियन नामों से पहचान देती थीं और उनके हजारों फॉलोअर्स थे। पुलिस सोशल मीडिया गतिविधियों, मोबाइल फोन और डायरी के आधार पर मामले की गहराई से जांच कर रही है।

यह घटना बुधवार तड़के सामने आई, जब साहिबाबाद क्षेत्र के भारत सिटी स्थित एक टावर की नौवीं मंजिल से तीनों बहनों ने कथित तौर पर छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और परिवार के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

आरोपी मौलवी गिरफ्तार

हिंदू लड़कियों का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण मामला

यूनिक समय, मिर्जापुर। जिम के जरिए हिंदू लड़कियों और युवतियों का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण कराने वाले गिरोह से जुड़े आरोपी मौलवी खलीलुर्रहमान को देहात कोतवाली पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। मौलवी की गिरफ्तारी कटरा कोतवाली क्षेत्र के भटवा की पोखरी भुदेव की गली से की गई। पुलिस अब उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी कर रही है।

एएसपी ऑपरेशन मनीष कुमार मिश्रा के अनुसार, गिरोह का सरगना इमरान खान पहले से पुलिस कस्टडी रिमांड में है। पूछताछ के दौरान उसी के बयान पर मौलवी की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि मौलवी जिम में आने वाली हिंदू लड़कियों को भ्रमित कर कलमा पढ़वाकर धर्मांतरण कराता था। जो लड़कियां उसके बहकावे में नहीं आती थीं, उनके एआई से अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह ने अब तक 50 से अधिक लड़कियों और युवतियों के अश्लील वीडियो बनाए, जिनमें से 30 से अधिक का धर्म परिवर्तन कराया गया। इस पूरे नेटवर्क में मौलवी की अहम भूमिका थी। जिम ट्रेनर युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर मौलवी के पास लाते थे।

मौलवी पर वर्ष 2023 में वाराणसी के लोहता थाने में हिंदू लड़की का धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम युवक से निकाह कराने का मुकदमा दर्ज है। उसके पास से मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि मौलवी जादू-टोना, भूत-प्रेत दूर करने और ताबीज देने के नाम पर महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करता था। बड़े घरों में उसकी आवाजाही थी। जिम धर्मांतरण मामले में अब तक कई आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं और पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है।

जालौन में अंत्येष्टि के दौरान मधुमक्खियों का हमला

श्मशान घाट में मची अफरा-तफरी, शव छोड़कर भागे लोग

यूनिक समय, कानपुर। कदौरा ब्लॉक के महमूद नगर डाले का पुरवा बड़ा गांव में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक बुजुर्ग की अंत्येष्टि के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने ग्रामीणों पर अचानक हमला कर दिया। इस घटना में 50 से अधिक लोग घायल हो गए, जबकि तीन ग्रामीण बेहोश हो गए। भयावह हालात के चलते लोग शव को श्मशान घाट में ही छोड़कर जान बचाने के लिए भागने को मजबूर हो गए।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी 78 वर्षीय वीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया था। गुरुवार दोपहर परिवारजन और ग्रामीण उनका शव श्मशान घाट लेकर पहुंचे। जैसे ही अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हुईं, पास में मौजूद मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। हमले से श्मशान घाट में चीख-पुकार मच गई। मधुमक्खियों के डंक से वीर सिंह के बड़े बेटे चंद्रशेखर उर्फ चंदू, धीरू, नेता, देवी चरण, विजय शर्मा समेत करीब 35 से 40 लोग सीधे तौर पर चपेट में आ गए। कई ग्रामीणों के चेहरे, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर सूजन आ गई। घायलों को कदौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ ग्रामीणों ने गांव में ही प्राथमिक उपचार कराया। घटना की सूचना खंड विकास अधिकारी संदीप मिश्रा को दी गई, लेकिन देर शाम तक न तो कोई चिकित्सकीय टीम मौके पर पहुंची और न ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से त्वरित सहायता मिली।

प्रशासनिक लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि समय रहते चिकित्सा टीम पहुंच जाती तो घायलों को तत्काल राहत मिल सकती थी। फिलहाल गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है।

'पहले आओ-पहले पाओ' योजना को राहत

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ में अपना घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर मेरठ आवास विकास परिषद ने फ्लैट खरीदने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब इच्छुक लोग 31 मार्च 2026 तक परिषद की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत फ्लैटों की कीमत 8 लाख रुपये से शुरू हो रही है।

आवास विकास परिषद के अधिकारियों के अनुसार, जागृति विहार एक्सटेंशन में 1 बीएचके और 2 बीएचके फ्लैट 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों को किफायती दरों पर आवास उपलब्ध कराना है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन पंजीकरण कर फ्लैट बुक कर सकते हैं। बुकिंग के समय आवेदकों को फ्लैट की कुल कीमत का पांच प्रतिशत अग्रिम राशि के रूप में जमा करना होगा, जिसे बाद में मूल कीमत में समायोजित कर दिया जाएगा। परिषद के अनुसार एफ-32, एफ-57 और एफ-64 श्रेणी के फ्लैट उपलब्ध हैं, जो सुविधाओं और निर्माण गुणवत्ता के लिहाज से बेहतर हैं। योजना की खास बात यह है कि एकमुश्त भुगतान पर आकर्षक छूट दी जा रही है। बुकिंग के 60 दिनों के भीतर पूरी राशि जमा करने पर 15 प्रतिशत तक और 90 दिनों में भुगतान करने पर 10 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। हालांकि किस्तों पर भुगतान करने वालों को यह छूट नहीं दी जाएगी। सामान्य आवेदकों को 50 प्रतिशत राशि जमा करने पर कब्जा मिल सकेगा, जबकि सरकारी कर्मचारियों को 25 प्रतिशत राशि जमा करने पर ही कब्जा देने का प्रावधान है। शेष राशि किस्तों में 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर ली जाएगी। फ्लैटों की कीमत 8 लाख से 40 लाख रुपये तक तय की गई है।

यूजीसी नियमों और भाजपा पर साधा निशाना

अलंकार अग्निहोत्री ने राजनीति में उतरने के दिए संकेत

यूनिक समय, बरेली/शाहजहांपुर। निलंबित पीसीएस अधिकारी और बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने राजनीति में सक्रिय होने के संकेत दिए हैं। शाहजहांपुर में बृहस्पतिवार को आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि वह एक विकल्प की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही इसकी औपचारिक जानकारी दी जाएगी। उनके इस बयान के बाद उनके राजनीति में उतरने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश है, लेकिन जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई नेता केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव जीतते हैं और बाद में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण कर राजनीति करते हैं। ऐसे नेताओं के पास कोई व्यक्तिगत जनाधार नहीं है। उन्होंने भाजपा की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए कहा कि सरकार की नीतियां 'बांटो और राज करो' की मानसिकता को दर्शाती हैं। अलंकार ने एससी-एसटी एक्ट का भी विरोध करते हुए कहा कि सामान्य वर्ग की दुर्गति हो रही है, जिसमें अब ओबीसी वर्ग भी शामिल होता जा रहा है। इन सभी वर्गों को लेकर वह एक साझा विकल्प देने की तैयारी में हैं।

प्रेसवार्ता से पहले अलंकार अग्निहोत्री शाहजहांपुर स्थित परशुराम धाम पहुंचे और दर्शन किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और इसी कारण उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने ही लोगों से लड़ने नहीं आए हैं, बल्कि मौजूदा हालात पर सवाल उठाने आए हैं।

इस दौरान कांग्रेस के युवा जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी, जिला महामंत्री गौरव त्रिपाठी सहित कई लोग उनके साथ मौजूद रहे।

सार संक्षेप

आठ घंटे जाम में फंसे उद्योगपति ने मंगवाया हेलीकॉप्टर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गैस टैंकर पलटने से लगे लंबे जाम में पुणे के उद्योगपति सुधीर मेहता आठ घंटे फंसे रहे। इसके बाद उन्होंने हेलीकॉप्टर मंगवाकर पुणे लौटने का फैसला किया। मेहता ने जाम की तस्वीरें साझा कर कहा कि एक्सप्रेसवे पर आपात स्थिति के लिए हेलीपैड और वैकल्पिक एग्जिट पॉइंट जरूरी हैं।

खरगे-राहुल की कांग्रेस नेताओं संग अहम बैठक

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल कांग्रेस इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक नई दिल्ली स्थित 10 राजाजी मार्ग पर हुई, जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति, संगठनात्मक मजबूती और चुनावी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने राज्य में कांग्रेस की स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया।

बलूचिस्तान संघर्ष: पाक सेना ने 22 जवानों की मौत मानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में जारी संघर्ष में अपने 22 सुरक्षाकर्मियों की मौत स्वीकार की है। वहीं सेना ने जवाबी कार्रवाई में 216 बीएलए लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। पाक सेना के अनुसार ऑपरेशन 'रद्द-उल-फित्ना-1' के दौरान कई आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए गए, जबकि इस हिंसा में 36 नागरिकों की भी जान गई।

वैश्विक एआई समिट में भारत की अगुवाई, यूएन प्रमुख गुटेरेस ने की सराहना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत 19-20 फरवरी को नई दिल्ली में होने वाले वैश्विक एआई इंपैक्ट समिट 2026 का नेतृत्व करेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पहल की तारीफ करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अहम मुद्दा है। उन्होंने समिट में शामिल होने की पुष्टि की और मानवता व धरती की भलाई के लिए भारत की भूमिका को सराहा।

केरल में पिक-अप वैन से विस्फोटक बरामद

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के पालक्काड जिले में पुलिस ने एक पिक-अप वैन से जिलेटिन स्टिक्स के 100 से ज्यादा बक्से और 20 से अधिक डेटोनेटर बरामद किए। ये विस्फोटक तरबूज की खेप के नीचे छिपाए गए थे। वाहन चालक सैंथिल को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में उसने बताया कि विस्फोटक कोयंबटूर से लोड कर त्रिशूर की एक खदान ले जाए जा रहे थे।

सूर्य के रौद्र रूप से बढ़ा खतरा

आईएसआरओ ने भारत में रेडियो ब्लैकआउट की चेतावनी जारी की

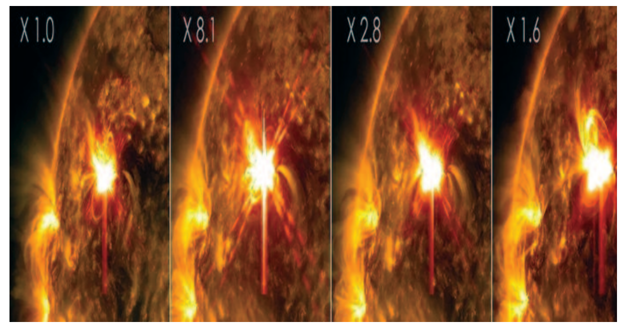

यूनिक समय, नई दिल्ली। सूर्य में बढ़ती गतिविधियों ने वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में सूर्य की सतह पर तेज हलचल देखी गई है, जिसके चलते लगातार 27 सोलर फ्लेयर्स (सौर विस्फोट) पृथ्वी की दिशा में बढ़ रहे हैं। इन सौर तूफानों का प्रभाव धरती तक पहुंचने पर रेडियो संचार, नेविगेशन सिस्टम, उपग्रह सेवाओं और बिजली ग्रिड पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इस स्थिति को देखते हुए आईएसआरओ और एनएएसए दोनों ने सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की है। सोलर फ्लेयर्स सूर्य में होने वाले शक्तिशाली विस्फोट होते हैं, जिनसे भारी मात्रा में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन निकलती है। जब यह ऊर्जा पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराती है, तो भू-चुंबकीय तूफान उत्पन्न होते हैं। इसके कारण रेडियो ब्लैकआउट, जीपीएस में गड़बड़ी और कभी-कभी ध्रुवीय क्षेत्रों के अलावा सामान्य इलाकों में भी ऑरोरा (नॉर्दर्न लाइट्स) दिखाई देने लगती हैं। आईएसआरओ ने आशंका जताई है कि भारत के कुछ हिस्सों में रेडियो ब्लैकआउट की स्थिति बन सकती है। देश के 50 से अधिक उपग्रहों की लगातार निगरानी की जा रही है। टेलीविजन सिग्नल, रडार सिस्टम और संचार सेवाओं पर असर पड़ने की स्थिति में तत्काल कदम उठाने के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार रखी गई हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार सूर्य का सक्रिय क्षेत्र 14366 इस असामान्य हलचल का मुख्य केंद्र है। इसी क्षेत्र से निकला 8.1 श्रेणी का सोलर फ्लेयर वर्ष 2026 का अब तक का सबसे शक्तिशाली सौर विस्फोट माना जा रहा है। भारत का आदित्य-एल1 मिशन, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर एल1 बिंदु पर स्थित है, सौर गतिविधियों पर वास्तविक समय में नजर रख रहा है। इससे आईएसआरओ को समय रहते चेतावनी मिलने में मदद मिल रही है।

अमेरिका की बड़ी कार्रवाई

भारत-आधारित संगठनों से जुड़े 200 से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त

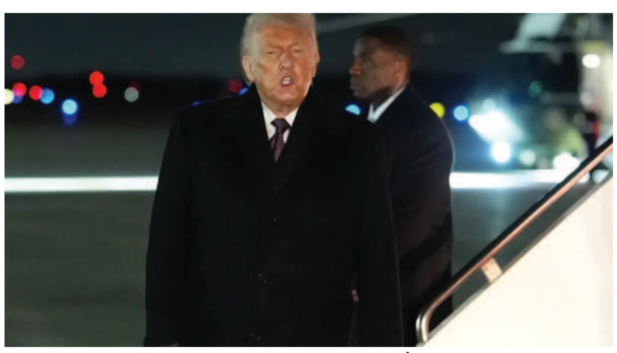

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका ने अवैध ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत-आधारित एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन (टीसीओ) से जुड़े 200 से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त कर लिए हैं। अमेरिकी संघीय अधिकारियों का आरोप है कि ये वेबसाइटें बिना वैध डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन के खतरनाक दवाओं की ऑनलाइन बिक्री कर रही थीं। इन अवैध गतिविधियों को अमेरिका में कम से कम छह मौतों और चार गैर-घातक ओवरडोज मामलों से जोड़ा गया है। अमेरिकी ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) ने बताया कि यह कार्रवाई 'ऑपरेशन मेल्टडाउन' के तहत की गई, जिसे ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क के यूएस अटॉर्नी ऑफिस के सहयोग से अंजाम दिया गया। यह जांच वर्ष 2022 से चल रही थी। 27 जनवरी से देशभर में कई समन्वित ऑपरेशन किए गए, जिनमें चार लोगों की गिरफ्तारी, पांच इमीडिएट सस्पेंशन ऑर्डर और एक ऑर्डर टू शो कॉज जारी किया गया। डीईए के अनुसार, इन अवैध

अवैध ऑनलाइन फार्मेसी का भंडाफोड

ऑनलाइन फार्मेसी के जरिए लाखों नकली और डाइवर्टेड फार्मास्युटिकल्स अमेरिका के ग्राहकों तक पहुंचाए जा रहे थे। जांच में सामने आया कि ये वेबसाइटें खुद को वैध, अमेरिका-आधारित और एफडीए-अनुमोदित बताकर ग्राहकों को गुमराह कर रही थीं, जबकि असल में वे फेंटेनिल और मेथमफेटामाइन जैसी खतरनाक नशीली दवाओं की सप्लाई कर रही थीं। डीईए एडमिनिस्ट्रेटर टेरेंस कोल ने कहा कि अवैध ऑनलाइन फार्मेसी अमेरिकी समुदायों के लिए गंभीर खतरा हैं और यह कार्रवाई लोगों की जान बचाने के लिए जरूरी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि इस नेटवर्क से जुड़े किसी भी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाएगा।

लोकसभा में हंगामा: स्पीकर ओम बिरला की कड़ी चेतावनी

पीएम के साथ हो सकती थी अप्रत्याशित घटना

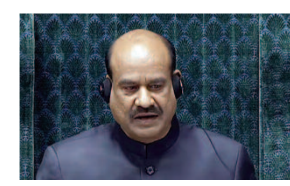

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में भारी हंगामा देखने को मिला। सांसदों के असंयमित और अप्रिय व्यवहार को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सदन में कहा कि जिस तरह की अव्यवस्था और शोरगुल का माहौल बना, उससे प्रधानमंत्री के साथ कोई भी अप्रत्याशित घटना घटित हो सकती थी। इसी कारण उन्होंने स्वयं उस समय सदन में आने से मना कर दिया। स्पीकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंच है और यहां इस प्रकार का आचरण न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि देश की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी ठेस पहुंचाता है। उन्होंने सभी सांसदों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक मतभेदों को एक ओर रखकर संसदीय मर्यादाओं का पालन करें और संयमित व्यवहार करें। लगातार नारेबाजी और व्यवधान के कारण लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर तीन बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। सदन में व्यवस्था बनाए रखने के तमाम प्रयासों के बावजूद हालात पर नियंत्रण नहीं हो सका। स्पीकर ने उम्मीद जताई कि भविष्य में सभी सदस्य लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए सदन की गरिमा बनाए रखेंगे।

चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस डिरेल तीन कोच पटरी से उतरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के जाजपुर जिले में गुरुवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस ट्रेन के तीन कोच पटरी से उतर गए। यह घटना जखपुरा स्टेशन के पास सुबह करीब 8:51 बजे हुई। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया और तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।
रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन संख्या 22611 चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस जाजपुर यार्ड क्षेत्र से गुजर रही थी। इसी दौरान एक एसी कोच और दो जनरल कोच अचानक डिरेल हो गए। गनीमत रही कि घटना के समय ट्रेन की गति काफी धीमी थी, जिससे किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इस हादसे में न तो कोई यात्री घायल हुआ है और न ही किसी की मौत हुई है।
रेलवे की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस नोट में बताया गया कि डिरेलमेंट मामूली था और यात्री ट्रेन संचालन पर इसका बड़ा असर नहीं पड़ा है। प्रभावित यात्रियों को सुरक्षित तरीके से अन्य

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन में हड़कंप

कोचों में समायोजित किया गया है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोच जोड़ने की भी व्यवस्था की जा रही है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। घटना की जानकारी मिलते ही भुवनेश्वर और खुर्दा रोड से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन तथा मेडिकल इक्विपमेंट को सुबह 08:53 बजे ही घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। इसके अलावा भद्रक से भी एक रेस्क्यू टीम मौके पर भेजी गई। वरिष्ठ रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहाली व सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने बताया कि डिरेलमेंट के कारणों की जांच की जा रही है। तकनीकी खामी या ट्रैक से जुड़ी समस्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सटीक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और रेल यातायात सामान्य रूप से संचालित किया जा रहा है।

भोपाल में 'घूसखोर पंडित' फिल्म के खिलाफ ब्राह्मण समाज का विरोध

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोपाल में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म 'घूसखोर पंडित' के खिलाफ ब्राह्मण समाज सड़कों पर उतर आया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म में ब्राह्मण समुदाय को घूसखोर और भ्रष्ट दिखाया गया है, जिससे समाज की छवि को ठेस पहुंचती है। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज और मध्य प्रदेश ब्राह्मण समाज के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और फिल्म को तुरंत प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की।
प्रदर्शन के दौरान धोती-कुर्ता धारी पंडितों ने हवन-पूजन और धार्मिक पाठ किए। समाज के नेताओं ने कहा कि फिल्म का शीर्षक और कथानक समुदाय विशेष को निशाना बनाता है, जो अस्वीकार्य है। इस मामले में याचिकाकर्ता वकील विनीत जिंदल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर फिल्म के टाइटल और कंटेंट को सांप्रदायिक रूप से आपत्तिजनक बताते हुए ओटीटी दर्ज करने की मांग की है।

46 लाख के इनामी 12 माओवादी ने किया आत्मसमर्पण

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। कुल 46 लाख रुपये के इनामी 12 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। आत्मसमर्पण करने वालों में आठ महिला नक्सली भी शामिल हैं, जो लंबे समय से माओवादी संगठन से जुड़ी हुई थीं।
पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि ये सभी नक्सली प्रतिबंधित माओवादी संगठन के 'साउथ सब जोनल ब्यूरो' के सक्रिय सदस्य थे। इन पर कई गंभीर नक्सली घटनाओं में शामिल होने के आरोप थे और सरकार ने इन पर इनाम घोषित कर रखा था। इन नक्सलियों ने बस्तर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'पूना मर्जेम' अभियान के तहत आत्मसमर्पण किया। इस अभियान का उद्देश्य भटके हुए युवाओं को हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए

आत्मसमर्पण करने वालों में आठ महिला नक्सली भी शामिल हैं

प्रेरित करना है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर इन माओवादियों ने हथियार छोड़ने का निर्णय लिया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को नियमानुसार तत्काल सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही उनके पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक पुनर्स्थापन की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। पुलिस प्रशासन का मानना है कि इस तरह के आत्मसमर्पण नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक सकारात्मक संकेत हैं और इससे क्षेत्र में शांति बहाली की दिशा में मदद मिलेगी।

यूपी बजट 2026 : नौ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा पर रहेगा जोर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार 11 फरवरी को अपना वार्षिक बजट पेश करने जा रही है, जिसका कुल आकार इस बार करीब नौ लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यदि ऐसा होता है तो यह प्रदेश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट होगा। सरकार का फोकस इस बार भी विकास, जनकल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर रहने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, आगामी बजट में सड़कों, पुलों, एक्सप्रेसवे, शहरी विकास और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए सबसे अधिक धनराशि आवंटित की जा सकती है। माना जा रहा है कि कुल बजट का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर खर्च होगा,

जिससे प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। शिक्षा क्षेत्र को भी बजट में प्राथमिकता मिलने के संकेत हैं। अनुमान है कि करीब 15 प्रतिशत बजट शिक्षा पर खर्च किया जाएगा, जिसमें स्कूलों के आधुनिकीकरण, उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने और तकनीकी व कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। कृषि क्षेत्र के लिए भी बड़ी घोषणा संभव है और लगभग 12 प्रतिशत बजट किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई, फसल बीमा और कृषि अधोसंरचना पर खर्च किया जा सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए भी बजट में पर्याप्त प्रावधान किए जाने की उम्मीद है। करीब 8 प्रतिशत राशि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए रखी जा सकती है, जिसमें अस्पतालों का विस्तार, मेडिकल कॉलेजों का विकास और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर ध्यान रहेगा। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए लगभग 5 प्रतिशत बजट आवंटित होने की संभावना है। पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश का बजट करीब 8.08 लाख करोड़ रुपये का था, जो उससे पहले के मुकाबले लगभग 9.8 प्रतिशत अधिक था। इस बार सरकार का लक्ष्य विकास के साथ–साथ वित्तीय अनुशासन बनाए रखना भी है। युवाओं के रोजगार, गरीबों और जरूरतमंदों के कल्याण, कानून–व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को मजबूती देने वाले प्रावधान बजट की प्रमुख खासियत हो सकते हैं।

हाथरस में सेना के जवान की गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, हाथरस। जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। कोतवाली सादाबाद क्षेत्र में मुन्नी देवी कोल्ड स्टोर के पास अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने सेना के एक जवान की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सेना का जवान अपनी कार से गुजर रहा था, तभी दो बाइक सवार हमलावरों ने अचानक उसकी गाड़ी पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमले में जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल

बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

पर पहुंचे और जांच के निर्देश दिए। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिलेभर में नाकाबंदी कर दी है। संभावित मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक जवान की पहचान और उसकी तैनाती से जुड़ी जानकारी जुटा रही है। साथ ही आपसी रंजिश या किसी अन्य कारण को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

आरपीएफ के आईजी ने किया जंक्शन का निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। प्रयागराज रेंज के आरपीएफ के आईजी मथुरा जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने जवानों का सम्मेलन कर उनकी समस्याओ को सुना और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। आईजी आरपीएफ दीपक कुमार गुप्ता ने मथुरा जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने आरपीएफ की रिजर्व लाइन स्टेशन पर लगने वाले सीसी टीवी कैमरों और डॉग स्क्वायड का निरीक्षण किया। उन्होंने आरपीएफ के जवानों से समस्याओं के बारे और ड्यूटी के बारे में जानकारी की। आईजी ने जवानों को उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं के निराकरण कराने का भरोसा दिया। इस मौके पर आरपीएफ के अधिकारी मौजूद थे।

लापरवाही पर अब बीएलओ को निलंबित कर सकेंगे डीएम

यूनिक समय, लखनऊ। मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में लापरवाही बरतने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और सुपरवाइजरों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जा सकेगी। निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट करते हुए नए निर्देश जारी किए हैं, जिनके तहत जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) यानी जिलाधिकारी (डीएम) को सीधे निलंबन का अधिकार दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा 31 जनवरी को जारी आदेश में कहा गया है कि यदि बीएलओ या सुपरवाइजर आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं या मतदाता सूची के कार्य में गंभीर लापरवाही बरतते हैं, तो डीएम उन्हें निलंबित कर सकते हैं। पहले इस तरह की कार्रवाई को लेकर स्थिति अस्पष्ट थी, लेकिन नए दिशा-निर्देशों के बाद प्रशासन को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

शान्तिनगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति में अस्थायी परिवर्तन

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड संख्या-68 के शान्तिनगर अंतर्गत गोपालनगर व आदर्शनगर मोहल्लों में मिट्टी-बालू युक्त पानी मिलने की शिकायतों पर नगर निगम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई है। संबंधित क्षेत्रों को जलापूर्ति करने वाले नलकूपों की जांच कराई गई, जिसमें दो नलकूपों पर अनुरक्षण कार्य एवं पाइपलाइन की वाशिंग का कार्य प्रगति पर है। मरम्मत अवधि के दौरान कल से तीन दिन तक बाधित रहेगी जल आपूर्ति, पेयजल टैंकरों से जलापूर्ति की जाएगी। टैंकर व्यवस्था हेतु अवर अभियंता (जल) गंगा सागर शर्मा (मो. 9897518066) से संपर्क किया जा सकता है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में मथुरा समेत 18 संवेदनशील जिले चिन्हित

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मथुरा समेत प्रदेश के 18 जिलों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। इन जिलों का चयन विगत वर्षों में सामूहिक नकल, पेपर लीक के प्रयासों तथा कानून–व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने

नकल व पेपर लीक की आशंका पर विशेष निगरानी

अधिकारियों को संवेदनशील जिलों में परीक्षाओं के दौरान विशेष निगरानी और सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सचिव के मुताबिक मथुरा, प्रयागराज, आगरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़, बलिया, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया और गोण्डा को संवेदनशील घोषित किया गया। इस सभी संवेदनशील जिलों में पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

तेजाब कांड : युवक की हत्या की दोषी महिला को उम्रकैद

यूनिक समय, आगरा। पंखा खराब होने का बहाना बनाकर युवक को घर बुलाने और उस पर तेजाब फेंककर हत्या करने के सनसनीखेज मामले में आगरा की अदालत ने दोषी महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई है। करीब पांच साल पुराने इस मामले में कोर्ट के फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिला है। मामला आगरा जनपद का है, जहां आरोपी महिला ने जान–पहचान के युवक को अपने घर बुलाया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, महिला ने युवक से कहा कि उसके घर का पंखा खराब है और उसे ठीक कराने के लिए बुलाया। युवक जैसे ही घर पहुंचा, महिला ने पहले उससे कहासुनी की और फिर अचानक उस पर तेजाब फेंक दिया। तेजाब हमले में युवक बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच कर महिला को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच पूरी होने के बाद आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया गया। करीब पांच साल तक चले इस मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्य अदालत के सामने पेश किए। कोर्ट ने सभी सबूतों और दलीलों को ध्यान में रखते हुए महिला को दोषी करार दिया। आगरा कोर्ट ने महिला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर अर्थदंड भी लगाया गया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह अपराध न केवल एक व्यक्ति की हत्या है, बल्कि समाज में भय और असुरक्षा पैदा करने वाला कृत्य भी है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट के इस फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने संतोष जताया है। वहीं, अभियोजन पक्ष ने इसे न्याय की जीत बताते हुए कहा कि इस निर्णय से समाज में कड़ा संदेश जाएगा कि तेजाब जैसे जघन्य अपराध करने वालों को सख्त सजा मिलेगी।

अब भारतीयों के मन में शादी करने का अंदाज बदला

थाईलैंड और वियतनाम शादी के लिए पहली पसंद बना

थाईलैंड बना भारतीयों की पहली पसंद

विदेश में शादी के लिए 'थाईलैंड' सबसे हॉट फेवरेट डेस्टिनेशन बन कर उभरा है। इसके पीछे तीन बड़ी वजहें हैं। यहां का वीजा मिलना बेहद सरल है।

नई दिल्ली ब्यूरो

यूनिक समय, नई दिल्ली। सात समंदर पार रहने वाले लोगों को भारतीय रिवाज, संस्कृति भा रही है तो भारत के लोगों के मन में शादियों का अंदाज अब पूरी तरह बदल रहा है। विदेशी कृष्ण भक्तों की ब्रज में आकर सात फेरों की आए दिन खबर मीडिया पर आती रहती हैं, लेकिन अब देश मे कभी घर के आंगन या शहर के बैंक्वेट हॉल में होने वाली शादियां अब सात समंदर पार विदेशी लोकेशंस पर हो रही हैं। पॉलिसी बाजार की एक हालिया रिपोर्ट ने इस बात की तस्दीक की है कि भारतीयों में इंटरनेशनल डेस्टिनेशन वेडिंग का खुमार सिर चढ़ कर बोल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेशों में शादी करने वाले परिवारों द्वारा ट्रैवल इंश्योरेंस खरीदने की रफ्तार में भारी उछाल आया है। यह बदलाव रातों–रात नहीं हुआ, बल्कि पिछले कुछ सालों में यह ट्रेंड मजबूत हुआ है। आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2023 से 2024 के बीच डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस की बिक्री में 27.4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, 2024–25 में भी यह ग्रोथ बरकरार है। यह बताता है कि विदेश में शादी करना अब सिर्फ अमीरों का शौक नहीं, बल्कि एक सामान्य चलन बनता जा रहा है। भारतीय परिवारों में डेस्टिनेशन वेडिंग का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, जहां थाईलैंड और वियतनाम पहली पसंद बन रहे हैं। सुरक्षा के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस की मांग में भी भारी उछाल आया है।

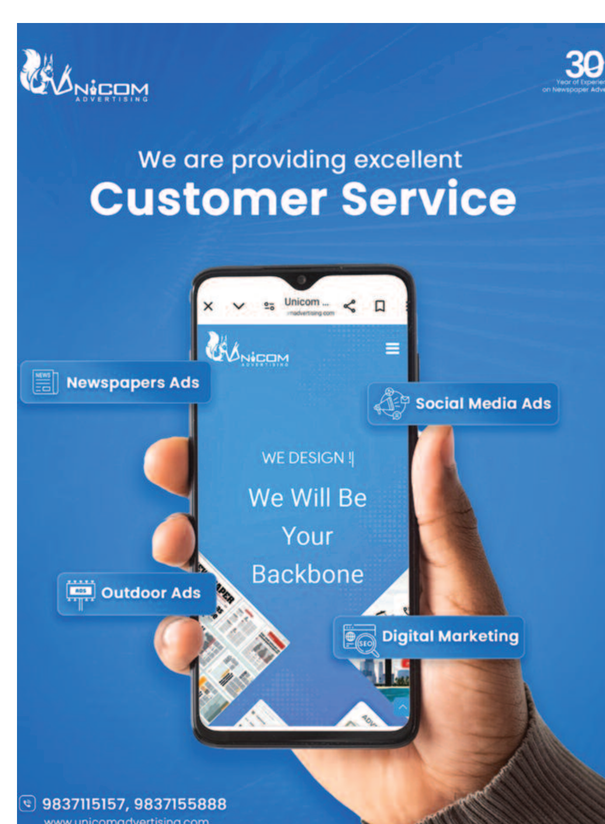

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053